दैनिक साधना एक्सप्रेस

वर्ष-3 | अंक - 197 | sadhnaexpress@gmail.com | भोपाल, मंगलवार, 8 जुलाई, 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये | www.sadhnaexpress.com

724 मिलियन डॉलर का नुकसान...

भारत ने अमेरिका को सिखाया ट्रेड वॉर का नया पाठ, WTO में पलटवार देख ट्रंप के उड़े होश

» भारत को दो ऑप्शन दिए गए। रूस से सस्ता तेल खरीदो या 500 प्रतिशत टैरिफ झेलो। अमेरिका को लगा कि भारत घुटनों पर आ जाएगा। लेकिन इस बार मामला कुछ और ही था। भारत ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के नेतृत्व में अमेरिका को दो टूक जवाब दिया कि न तो हम रूस से तेल खरीदना बंद करेंगे और न ही आपकी ब्लैकमेलिंग के आगे झुकेंगे।

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली| भारत ने वो कर दिखाया है, जिसकी ट्रंप शासन वाले अमेरिका को तो कतई उम्मीद नहीं थी। अब भारत चुप नहीं बैठेगा बल्कि सीधा जवाब देगा और वो भी डब्लूटीओ के मंच से ये जवाब मिलेगा। 500 प्रतिशत टैरिफ और 26 प्रतिशत इंपोर्ट ड्यूटी अब ये भार उल्टा अमेरिका पर ही गिरेगा। दरअसल, अभी कुछ ही हफ्ते पहले अमेरिका ने भारत पर भारी टैरिफ थोपने की धमकी दी। 500 प्रतिशत इंपोर्ट ड्यूटी लगाने की बात खुलेआम की गई। खासकर उन प्रोडक्ट्स पर जो भारत से अमेरिका को एक्सपोर्ट किए जाते है। इसके पीछे अमेरिका की एक चाल थी। रूस से भारत का सस्ता क्रूड ऑयल खरीदना बंद करवाना। भारत को दो ऑप्शन दिए गए। रूस से सस्ता तेल खरीदो या 500 प्रतिशत टैरिफ झेलो। अमेरिका को लगा कि भारत घुटनों पर आ जाएगा। लेकिन इस बार मामला कुछ और ही था। भारत ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के नेतृत्व में अमेरिका को दो टूक जवाब दिया कि न तो हम रूस से तेल खरीदना बंद करेंगे और न ही आपकी ब्लैकमेलिंग के आगे झुकेंगे।

हुआ भी कुछ ऐसा ही। भारत की ट्रेड डेलीगेशन जो अमेरिका में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की बातचीत करने गई थी। उसे वापस बुला लिया गया। यानी भारत ने साफ बता दिया कि हम झुकने वालों में नहीं बल्कि जवाब देने वालों में हैं। अब भारत वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइडेशन अमेरिका के खिलाफ केस लेकर पहुंच गया है। मामला 3 मई को अमेरिका द्वारा लगाए गए 26 प्रतिशत के इंपोर्ट टैरिफ का है। ये भारत के ऑटोमोबाइल प्रोजेक्ट और कंपोनेंट पर लगा है। अमेरिका ने डब्ल्यूटीओ को बिना सूचना दिए सेफगार्ड मेजर का बहाना बनाकर टैरिफ ठोक दिया। जबकि नियम ये कहता है कि पहले उस देश से बातचीत हो। उचित प्रमाण हो। डब्ल्यूटीओ को इसकी सूचना दी जाए। अमेरिका ने भारत से कोई चर्चा नहीं की और यही भारत ने पकड़ लिया।

भारत सरकार ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) को अमेरिका पर लगभग 724 मिलियन डॉलर का जवाबी टैरिफ लगाने के अपने प्रस्ताव की सूचना दी है, जो कि भारत से विशेष ऑटोमोबाइल और उसके पुर्जों के आयात पर अमेरिका द्वारा बढ़ाए गए टैरिफ के जवाब में है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब भारत और अमेरिका एक प्रारंभिक लघु-व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के अंतिम चरण में हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में भारत की वार्ता टीम सोमवार को अमेरिका से भारत लौटी। 3 जुलाई को डब्ल्यूटीओ को भेजे गए एक संदेश में भारत ने कहा कि भले ही अमेरिका के उपायों को डब्ल्यूटीओ को अधिसूचित नहीं किया गया है, लेकिन वे मूलतः सुरक्षा उपाय हैं। इसमें यह भी कहा गया कि इस मामले पर भारत की स्थिति यह है कि अमेरिकी टैरिफ टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौते 1994, डब्ल्यूटीओ के मूल समझौते और सुरक्षा उपायों पर समझौते (एओएस) के अनुसार नहीं हैं।

न्यूज ब्रीफ

तुर्किए को बड़ा झटका! सेलेबी कंपनी की याचिका हाई कोर्ट में खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी | दिल्ली हाई कोर्ट ने सुरक्षा मंजूरी रद्द करने के खिलाफ तुर्किये की कंपनी सेलेबी की याचिका खारिज कर दी. कोर्ट ने कहा कि सरकार का फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में है.

तुर्किए कंपनी सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को दिल्ली हाई कोर्ट से झटका लगा है. सेलेबी की ओर से ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी के सुरक्षा मंजूरी रद्द करने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी. दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा सरकार का फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में है.

'सरकार का फैसला न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ' - ऑपरेशन सिंदूर के बाद केंद्र सरकार ने भारत मे काम कर रही तुर्किए की कंपनी सेलेबी एविएशन होल्डिंग की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दिया था. इस मामले पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट में 21 मई को सेलेबी कंपनी ने दलील दी कि भारत सरकार का यह फैसला न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है. नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने 15 मई 2025 को सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी थी.

ग्राउंड हैंडलिंग की देखरेख करती है कंपनी - सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और सेलेबी दिल्ली कार्गो टर्मिनल मैनेजमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड देश के विभिन्न हवाई अड्डों पर ग्राउंड हैंडलिंग और कार्गो टर्मिनल कार्यों की देखरेख करते हैं. केंद्रीय प्राधिकरण के वकील ने इस कार्रवाई का बचाव करते हुए विमानन सुरक्षा के लिए अभूतपूर्व खतरे की ओर इशारा किया था.

पाक सेना का भरोसेमंद, सऊदी अरब में गुप्त मिशन पर भी भेजा गया था, तहव्वुर राणा ने पूछताछ में किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी | पुलिस सूत्रों के अनुसार, मामले से जुड़ी कई जानकारियां पहले से ही आधिकारिक जांच रिकॉर्ड का हिस्सा हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि तहव्वुर राणा अपने पहले के बयानों पर मानसिक रूप से अड़ा हुआ है। अधिकारी ने कहा कि वह पुलिस को जानकारी दे रहा है लेकिन उसके बात करने का तरीका भी उसकी कट्टरपंथी विचारधारा को दर्शाता है।

26/11 मुंबई आतंकी हमलों के पीछे मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक तहव्वुर हुसैन राणा ने चौंकाने वाले दावे करते हुए खुलासा किया है कि वह पाकिस्तानी सेना का एक भरोसेमंद ऑपरेटिव था और उसे सऊदी अरब में एक गुप्त मिशन पर भेजा गया था। मुंबई क्राइम ब्रांच ने 26/11 आतंकी हमले से संबंधित मामले में एनआईए की हिरासत में मौजूद तहव्वुर राणा से पूछताछ की थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मामले से जुड़ी कई जानकारियां पहले से ही आधिकारिक जांच रिकॉर्ड का हिस्सा हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि तहव्वुर राणा अपने पहले के बयानों पर मानसिक रूप से अड़ा हुआ है। अधिकारी ने कहा कि वह पुलिस को जानकारी दे रहा है लेकिन उसके बात करने का तरीका भी उसकी कट्टरपंथी विचारधारा को दर्शाता है।

---

20 हजार से अधिक रोजगार का होगा सृजन

लुधियाना इंटरैक्टिव सेशन में मिले 15,606 करोड़ के निवेश प्रस्ताव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

» लुधियाना और पंजाब के निवेशकों को मध्यप्रदेश में किया आमंत्रित

» मध्यप्रदेश में निवेश करें और विकसित भारत के निर्माण में बने भागीदार

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश का आर्थिक तंत्र मजबूत हुआ है। देश में औद्योगीकरण बढ़ा है, अब हम विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। लुधियाना भारत का मैन्चेस्टर है। यहां के उद्योगपतियों ने बड़ी मेहनत से अपनी पहचान बनाई है। लुधियाना में निर्मित ए-वन और हीरो साइकिल्स देश-दुनिया में मशहूर हैं। पंजाब के निवेशक देश की आर्थिक समृद्धि में योगदान देने वाले प्रमुख ध्वजवाहक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज लुधियाना में हुये इंटरैक्टिव सेशन, वन-टू-वन चर्चा और संवाद सत्रों में यहां के उद्योगपतियों से 15 हजार 606 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये हैं, जिससे 20 हजार से अधिक रोजगार का सृजन होगा। हमने लुधियाना और पंजाब के उद्योपतियोंत को मध्यप्रदेश में उद्योग लगाने के लिये आमंत्रित किया। साथ ही उन्हें मध्यप्रदेश में उपलब्ध संसाधनों के साथ राज्य की औद्योगिक नीतियों से भी अवगत कराया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को पंजाब की उद्योग नगरी लुधियाना में मध्यप्रदेश में निहित निवेश की संभावनाओं के संबंध में निवेशकों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का एकमात्र प्रदेश है, जहां पन्ना जिले में हीरा तो शहडोल में आयरन डिपाजिस्ट्स है। बीते दिनों सिंगरौली जिले में सोने की खदानें भी मिली हैं।

स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास कार्यों की गति और गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय, भोपाल में विभागीय अधोसंरचना विकास कार्यों की गहन समीक्षा की। बैठक में राज्य योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, 15वां वित्त आयोग एवं प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की प्रगति नियमित रूप से मॉनिटर की जाए और सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि अप्रारंभ कार्यों की समयबद्ध शुरुआत सुनिश्चित की जाए तथा लंबित निविदाओं की प्रक्रिया को तेजी से पूर्ण किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि हर परियोजना की प्रोजेक्टवार समीक्षा की जाए और यह देखा जाए कि बजट के उपयोग में पारदर्शिता, समयबद्धता और उचित तकनीकी गुणवत्ता सुनिश्चित हो। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि प्रत्येक योजना की मासिक समीक्षा की जाए और कार्यों की प्रगति की फील्ड मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित कार्यों की समयसीमा निर्धारित कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

तकनीकी मानव संसाधन की नियुक्ति शीघ्र हो - उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विभाग में रिक्त पड़े तकनीकी पदों की शीघ्र भर्ती के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए तकनीकी मैन पावर की नियुक्ति अत्यावश्यक है। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, परियोजना संचालक श्री नीरज कुमार सिंह, एनएचएम की प्रबंध संचालक डॉ. सलोनी सिडाना, तथा विभागीय अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जल, भूमि संरक्षण के लिये ठोस प्रयास आवश्यक : मंत्री श्री पटेल

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा है कि हमें जल, भूमि संरक्षण के लिये अभी से ठोस प्रयास करने होंगे। जल स्त्रोतों के रिचार्जिंग सिस्टम को बढ़ाना होगा। फसलों का चक्रीकरण और पौधरोपण में वैज्ञानिक तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देना होगा। मंत्री श्री पटेल सोमवार को राजीव गांधी जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन की साधारण सभा की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बैठक में चिंता करते हुए कहा कि बढ़ती जनसंख्या के कारण जल स्त्रोतों के रिचार्जिंग सिस्टम धीरे-धीरे समाप्त होते जा रहे हैं। नदियों के उद्गम स्थलों का संरक्षण नहीं करने के कारण उनके स्त्रोत सूखते जा रहे हैं। मरूस्थलीकरण की प्रक्रिया तेजी से बढ़ रही है। इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह, प्रमुख सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी, प्रमुख सचिव पीएचई श्री पी. नरहरि सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि "राजीव गांधी जल संग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन" के अंतर्गत विभिन्न विभागों से मिशन के परिणामों की जानकारी प्राप्त की जाए।

इसरो चीफ को शुभांशु शुक्ला ने किया फोन, ISS तक सुरक्षित यात्रा के लिए कहा- शुक्रिया

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | गगनयान कार्यक्रम का उद्देश्य पृथ्वी की निचली कक्षा में मानवयुक्त अंतरिक्ष यान प्रक्षेपित करने की भारत की क्षमता को प्रदर्शित करना है, और शुक्ला के मिशन से प्राप्त ज्ञान भविष्य की सफलता के लिए महत्वपूर्ण साबित होने की उम्मीद है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन के साथ हाल ही में हुई एक बातचीत में शुभ्रांशु शुक्ला ने आईएसएस तक उनकी सुरक्षित यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए इसरो के प्रयासों के लिए अपना आभार व्यक्त किया। इसरो द्वारा रिपोर्ट की गई यह बातचीत 6 जुलाई की दोपहर को हुई। कॉल के दौरान नारायणन ने शुक्ला की भलाई में वास्तविक रुचि दिखाई और आईएसएस पर होने वाले विभिन्न वैज्ञानिक प्रयोगों और गतिविधियों के बारे में पूछा। उन्होंने शुक्ला के पृथ्वी पर लौटने के बाद सभी प्रयोगों और गतिविधियों का सावधानीपूर्वक दस्तावेजीकरण करने के महत्व को भी रेखांकित किया, क्योंकि यह दस्तावेजीकरण भारत के मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, गगनयान के विकास का समर्थन करने के लिए अमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा।

पटना में एक साथ होंगे राहुल गांधी और तेजस्वी यादव, मतदाता सूची पुनरीक्षण के खिलाफ नौ जुलाई को विपक्ष का चक्का जाम

• पटना, प्रतिनिधि

पटना | बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि 9 जुलाई को मैं और राहुल गांधी चक्का जाम करेंगे। जिस तरह से बिहार के लोगों से वोटिंग का अधिकार छीना जा रहा है, उसी तरह से उनके बाकी अधिकार भी छीने जाएंगे, इसलिए हम इसका विरोध करेंगे।

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में 9 जुलाई को महागठबंधन 'चक्का जाम' करने की तैयारी कर रहा है। वहीं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी राज्य में विरोध प्रदर्शन में भाग लेंगे। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि 9 जुलाई को मैं और राहुल गांधी चक्का जाम करेंगे। जिस तरह से बिहार के लोगों से वोटिंग का अधिकार छीना जा रहा है, उसी तरह से उनके बाकी अधिकार भी छीने जाएंगे, इसलिए हम इसका विरोध करेंगे।

बिहार से जुड़े कांग्रेस सचिव सुशील पासी ने कहा कि राहुल गांधी 9 जुलाई को मतदाता सूची की एसआईआर के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए पटना जाएंगे। महागठबंधन नेताओं के अनुसार, महागठबंधन के सदस्यों ने 9 जुलाई को बिहार में मतदाता सूची की एसआईआर के मुद्दे पर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने के लिए समय भी मांगा है। महागठबंधन ने मतदाता सूचियों की एसआईआर को लेकर राज्य में व्यापक विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया है। उनका आरोप है कि इस प्रक्रिया से राज्य के 2 करोड़ से अधिक मतदाता मताधिकार से वंचित हो जाएंगे।

भारतीय राष्ट्रीय विकास समावेशी गठबंधन (इंडिया) के कम से कम 11 ब्लॉक सदस्यों ने एसआईआर प्रक्रिया से अवगत कराने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो अन्य चुनाव आयुक्तों से मुलाकात की। इससे पहले आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने एक बार फिर से सवाल खड़े किए है। उन्होंने कहा कि 5 जुलाई को हमने भारत के चुनाव आयोग से मुलाकात की थी और उनके समक्ष अपने सवाल रखे थे।

---

100 करोड़ी 'छांगुर बाबा' का एक और खेल! फंसने लगा तो कोर्ट क्लर्क की बीवी के नाम कर दी पुणे के लोनावला की प्रॉपर्टी

• पुणे, प्रतिनिधि

पुणे, एजेंसी | छांगुर बाबा के खिलाफ शिकायत करने वाले कई लोगों को उलझा दिया जाता था.सब पर अलग अलग तरह के मामले दर्ज हो जाते थे .इस पूरे खेल में राजेश उपाध्याय नाम का कोर्ट क्लर्क भूमिका निभाता था, जो बाबा के खिलाफ उठने वाली हर आवाज को दबाने में मदद करता था.बदले में बाबा ने पुणे की करोड़ों की प्रॉपर्टी में उसकी पत्नी को हिस्सेदार बना दिया.

अवैध धर्मांतरण के मामलों में गिरफ्तार जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा का एक और खेल सामने आया है. इस बार मामला सीधे करोड़ों की प्रॉपर्टी से जुड़ा है, जिसे बाबा ने पुणे के लोनावला में खरीदा और उसे अपने खास गुर्गों के साथ-साथ बलरामपुर सीजेएम कोर्ट में तैनात क्लर्क राजेश उपाध्याय की पत्नी संगीता देवी के नाम कर दिया.एसटीएफ और एटीएस की जांच में यह नया खुलासा हुआ है.

राजस्थान, लखनऊ, बलरामपुर और पुणे तक फैले इस कथित धर्मांतरण नेटवर्क का मास्टरमाइंड जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा पिछले कई सालों से एक संगठित सिंडिकेट चला रहा था.उसने खुद को बलरामपुर के उतरौला कस्बे में एक 'पीर बाबा' के रूप में प्रचारित किया और धर्मांतरण के जरिए अवैध विदेशी फंडिंग की मोटी रकम हासिल की.अब जो खुलासा हुआ है वह चौंकाने वाला है.

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक छांगुर बाबा ने महाराष्ट्र के पुणे के लोनावला इलाके में करीब 16 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी खरीदी, जिसमें अपने गुर्गा मोहम्मद अहमद खान, नवीन रोहरा उर्फ जमालुद्दीन और बलरामपुर के कोर्ट क्लर्क राजेश उपाध्याय की पत्नी संगीता देवी को पार्टनर बनाया.

कोर्ट के क्लर्क से मिलीभगत का भी आरोप - सूत्रों की मानें तो छांगुर बाबा के खिलाफ शिकायत करने वाले कई लोगों को उलझा दिया जाता था.सब पर अलग अलग तरह के मामले दर्ज हो जाते थे .इस पूरे खेल में राजेश उपाध्याय नाम का कोर्ट क्लर्क भूमिका निभाता था, जो बाबा के खिलाफ उठने वाली हर आवाज को दबाने में मदद करता था.बदले में बाबा ने पुणे की करोड़ों की प्रॉपर्टी में उसकी पत्नी को हिस्सेदार बना दिया.

खुद बना सर्वे सर्वा - छांगुर बाबा ने अपनी कोठी के पीछे बनी चांद औलिया दरगाह को अपना ठिकाना बनाया और खुद को उसका सर्वे-सर्वा घोषित किया. जब आजतक ने दरगाह की सच्चाई जाननी चाही, तो सामने आया कि दरगाह की कमेटी या कार्यक्रम से बाबा का कोई वास्ता ही नहीं है.उर्स के आयोजक भी उसे नहीं पहचानते. एक बुजुर्ग ने इतना जरूर कहा कि वो बनारस से आया था, खुद को बाबा कहता है, हम तो उसे मुरीद समझते थें

बलरामपुर की कोठी - उतरौला में स्थित छांगुर बाबा की कोठी किसी किले से कम नहीं.तीन बीघे में फैली यह आलीशान इमारत पूरी तरह से CCTV कैमरों, बिजली से दौड़ते तारों और खूंखार कुत्तों से लैस है.वहां 50 से ज्यादा लोगों के रहने का इंतज़ाम है.आसपास के लोग भी डर के कारण कैमरे पर कुछ बोलने से बचते हैं, लेकिन कहते हैं कि बाबा ने यह कोठी कुछ साल पहले ही बनाई और तब से यहां अजनबी लोगों की आवाजाही बढ़ी.

नग बेचने से करोड़पति बनने तक - कुछ साल पहले तक यही जमालुद्दीन बलरामपुर की गलियों में अंगूठी और रत्न (नग) बेचता था.

खेती, दूध उत्पादन और बेटे की नौकरी से पार की 4 लाख की वार्षिक आमदनी

स्व-सहायता समूह से जुड़ाव बना आत्मनिर्भर बनने का जरिया

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | ग्राम आमेट, विकासखण्ड सागर की रहने वाली श्रीमती द्रौपती कुर्मी ने कठिनाइयों के बीच अपनी मेहनत और लगन से खुद को आत्मनिर्भर महिला के रूप में स्थापित किया है। पहले उनके पास केवल दो दुधारू पशु और 15 एकड़ जमीन थी, जिससे किसी तरह गुजारा चलता था। खेती पारंपरिक तरीके से होती थी और दूध भी साल में केवल छह महीने ही उपलब्ध हो पाता था। आर्थिक तंगी के चलते वे खेती को उन्नत करने के तरीके तो जानती थीं, लेकिन उनके पास लागत जुटाने का कोई साधन नहीं था।

वर्ष 2016 में जब वे लक्ष्मी स्व-सहायता समूह से जुड़ीं, तब से उनकी जिंदगी में बदलाव आने लगा। समूह से उन्होंने क्रमशः 50,000 दो बार, 1 लाख तीन बार, 1.5 लाख एक बार और 2 लाख रू. एक बार ऋण लिया। इस राशि का उपयोग उन्होंने दूधारू पशुओं की खरीदी, आलू-प्याज जैसी नकदी फसलों की खेती और खेती के संसाधनों में सुधार के लिए किया। इससे उनकी आमदनी में वृद्धि हुई। इसके साथ ही उनके बेटे ने इमरजेंसी केयर असिस्टेंट का 8 माह का प्रशिक्षण लेकर सागर के एक अस्पताल में नौकरी शुरू की, जिससे घर की आय में और इजाफा हुआ। आज उनके पास 10 दुधारू पशु सहित कुल 16 पालतू पशु हैं और उनकी कुल वार्षिक आय 4 लाख रू. से अधिक है। आमदनी बढ़ने के बाद उन्होंने कृषि यंत्र खरीदे, पक्का मकान बनवाया, और घर की आवश्यक वस्तुएं भी खरीदीं।

श्रमिकों के लिए संचालित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं – कमिश्नर

अत्याचार पीड़ितों को राहत राशि का भुगतान समय-सीमा में कराएं – कमिश्नर

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | कमिश्नर सागर संभाग श्री अनिल सुचारी ने श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के कल्याण हेतु संचालित योजनाओं के प्रभावी और परिणाममूलक क्रियान्वयन के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों एवं उनके परिजनों के कल्याण के लिए कई अभिनव योजनाएं संचालित जा रही हैं, जिनका लाभ पात्र हितग्राहियों तक अवश्य पहुंचना चाहिए।

कमिश्नर सागर संभाग श्री सुचारी ने उक्त निर्देश शुक्रवार को श्रम विभाग, सामाजिक न्याय विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में श्रम विभाग द्वारा संचालित अमृत राशि सहायता योजना, अन्त्योदय सहायता योजना तथा साइकिल अनुदान योजना की जिलेवार प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इन योजनाओं का लाभ श्रमिकों और उनके परिजनों को सहजता से मिलना चाहिए। विभागीय योजनाओं से संबंधित प्रकरण किसी भी स्थिति में लंबित न रहें।

कमिश्नर ने कहा कि सागर संभाग के कई जिलों की स्थिति ठीक नहीं है इसमें तत्काल सुधार करें । कमिश्नर ने श्रम विभाग द्वारा संचालित टूल किट वितरण योजना तथा खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना के क्रियान्वयन में अपेक्षित प्रगति न होने पर उन्होंने नाराजगी भी व्यक्त की।

बैठक में जनजातीय कार्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने निर्देश दिए कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के अत्याचार पीड़ितों को राहत राशि का भुगतान निर्धारित समय-सीमा में किया जाए। बैठक में छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने निर्देश दिए की छात्रवृत्ति वितरण प्रक्रिया में किसी भी प्रकार का व्यवधान न हो और सभी पात्र विद्यार्थियों को समयसीमा के भीतर छात्रवृत्ति का लाभ मिले।

बैठक में कमिश्नर ने चालू शिक्षा सत्र के लिए जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित स्कूलों, छात्रावासों एवं आश्रमों में प्रवेश की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी संस्थानों में शत प्रतिशत सीटों पर प्रवेश सुनिश्चित किया जाए। 15 जुलाई 2025 तक सभी रिक्त सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में सागर संभाग में वन अधिकार पत्रों के वितरण की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि जिन किसानों को वन अधिकार प्राप्त हुए हैं, उन्हें शासन की कल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ दिया जाए। कमिश्नर ने किसानों को किसान सम्मान निधि योजना का लाभ भी सभी पात्र किसानों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में जनजातीय कार्य विभाग सागर संभाग के उपायुक्त श्री जगदीश सर्वटे द्वारा केंद्र सरकार की धरती आवा योजना की जानकारी भी साझा की गई, जो जनजातीय बहुल क्षेत्रों में निवासरत समुदायों के लिए संचालित की जा रही है।

संबद्धता प्रकरणों के शुल्क भुगतान 10 अगस्त तक

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के निर्देशानुसार सत्र 2025-26 हेतु मान्यता प्राप्त शासकीय/अशासकीय संस्थाएं जिनका संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी / संभागीय संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण द्वारा नवीन मान्यता/ मान्यता नवीनीकरण/अतिरिक्त संकाय की मान्यता प्रदाय की गई है। ऐसी संस्थाओं को संबंद्धता शुल्क के ऑनलाईन भुगतान हेतु अंतिम दिनांक 10.08.2025 निर्धारित की गई है। अतः सभी संस्थाएं निर्धारित तिथि में संबंद्धता शुल्क का भुगतान करते हुए संस्था की संबंद्धता नवीनीकरण कराया जाना सुनिश्चित करें।

नवाचार के रूप में पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत पेपरलेस चुनाव सागर में

जिले में 22 जुलाई को 16 मतदान केंद्रों में पंचायत एवं जनपद पंचायत हेतु मतदान पेपरलेस तरीके से कराए जाएंगे।

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | इस हेतु राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त मनोज कुमार श्रीवास्तव एवं सचिव अभिषेक सिंह ने कलेक्टर संदीप जी आर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा की । आयोग ने इतने बड़े स्तर पर पेपरलेस चुनाव के लिए सागर को अतिरिक्त बजट देते हुए इस चुनाव हेतु समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने हेतु दिशा निर्देश जारी किए हैं।

अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी रूपेश उपाध्याय ने बताया कि इस चुनाव हेतु मतदान दलों का प्रशिक्षण दिनांक 7 जुलाई को शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में आयोजित किया जाएगा। जिसमें 150 से अधिक मतदानकर्मियों को प्रशिक्षण राज्य निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं मास्टर ट्रेनर्स द्वारा दिया जाएगा।

इस चुनाव के लिए विशेष रूप से इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम तैयार किया गया है, जिसमें पोलिंग बूथ से संबंधित जानकारी, मतदाता को सर्च करना, डिजिटल साइन एवं थंब डिवाइस के उपयोग द्वारा समस्त प्रपत्र डिजिटल फॉर्मेट में तैयार किए जाएंगे।

कलेक्टर संदीप जी आर ने सागर जिले का चयन किए जाने पर आयोग को धन्यवाद दिया एवं इस चुनाव को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराए जानें हेतु अधीनस्थों को निर्देशित किया ।

सीएम हेल्पलाइन की ग्रेडिंग को सभी विभाग प्रमुख ठीक करें, निम्न ग्रेडिंग वालों पर होगी कार्यवाही -कलेक्टर श्री संदीप जी. आर.

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | समय सीमा बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर की संदीप जी आर ने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की ग्रेडिंग को सभी विभाग प्रमुख ठीक करें और निम्न ग्रेडिंग वाले अधिकारियों पर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अधिकारी पुरानी सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के प्रकरणों का गंभीरता के साथ निराकरण करें एवं नई शिकायत वाले शिकायतकर्ता से संपर्क करें और उसका तत्काल निराकरण कराएं। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अधिकारी प्रतिदिन सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा करें। कलेक्टर ने नॉन अटेंडेड शिकायतों के संबंध में अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे सभी नॉन अटेंडेड शिकायतों को प्राथमिकता के साथ अटेंड कर निराकृत करें। कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा है कि सभी टीएल के प्रकरणों को समय से निराकृत करें तथा संबंधित की पोर्टल पर जानकारी अपलोड करें।

कलेक्टर के निर्देश का तत्काल असर, जिले की सभी जर्जर स्कूल सहित अन्य भवन गिराने की की जा रही कार्यवाही, डीईओ, डीपीसी, नगरीय/ग्रामीण निकाय के अधिकारी प्रमाणपत्र प्रस्तुत करें

» अब तक 700 से अधिक जर्जर भवन गिराए गए

» जर्जर क्षतिग्रस्त भवनों की सूचना दे जिलेवासी -कलेक्टर

• सागर, प्रतिनिधि

कलेक्टर संदीप जी आर ने विगत दिवस निर्देश दिए कि जिले में कोई भी स्कूल भवन सहित अन्य भवन क्षतिग्रस्त जर्जर नहीं हो इस हेतु तत्काल कार्रवाई करें और दो दिवस में गिराने की कार्यवाही करे , निर्देश की तत्काल पश्चात जिले की सभी जर्जर स्कूल भवन एवं अन्य भवन को करने की कार्रवाई युद्ध स्तर पर की जा रही है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना अधिकारी, ग्रामीण एवं नगरीय निकायों के अधिकारी यह प्रमाणपत्र प्रस्तुत करें कि उनके अधीन कोई भी जर्जर भवन शेष नहीं है। उन्होंने कहा कि डीईओ, डीपीसी अपने निचले स्तर प्राचार्य, बीईओ, बीआरसी, जनशिक्षक से यह लिखित में लें कि कोई भी विद्यालय जर्जर नहीं है इसी प्रकार नगर निगम आयुक्त, सीएमओ, तहसीलदार भी सुनिश्चित करें कि उनके क्षेत्र में कोई भी भवन जर्जर नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि जर्जर भवन हटाने से विद्यालय संचालन या अन्य कोई समस्या उत्पन्न होती है तो आसपास के सामुदायिक भवन या अन्य शासकीय भवनों में व्यवस्था सुनिश्चित कराई जावे। इसके बाद भी कोई भी घटना होने पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारी ,स्कूल प्रबंधन,मकान मालिक दोषी होंगे ।

सभी स्कूल के प्राचार्य भवन को के बाद इसका प्रमाण पत्र संबंधित विकासखंड शिक्षा अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करेंगे जिसको सूचीबद्ध कर जिला शिक्षा अधिकारी प्रस्तुत करें। कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देश पर सागर रहली खुरई राहतगढ़ माल्थोन देवरी में स्कूल भवन सहित अन्य भवनों को गिराने की कार्रवाई की गई नगर निगम क्षेत्र में भी नगर निगम के द्वारा अनेक जर्जर भवनों को जो की चिन्हित किए गए थे उनको गिराने की कार्रवाई की जा रही है। इसी प्रकार सभी नगरी निकायों में भी यह कार्रवाई की जा रही है। अब तक जिले में 700 से अधिक भगवानों को गिराने की कार्रवाई की गई है

कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने समस्त जिले वासियों से अपील की है कि उनके क्षेत्र में यदि कोई मकान जर्जर और क्षतिग्रस्त है तो इसकी सूचना संबंधित राजस्व अधिकारी नगर पालिका नगर परिषद नगर निगम एसडीम को तत्काल दें जिससे कि उस भवन को गिराने की कार्रवाई की जा सके और सभी को सुरक्षित रखा जा सके उन्होंने कहा कि सूचना देने वाले का नाम भी गुप्त रखा जाएगा

कलेक्टर के निर्देश पर कार्यवाही : रामघाट विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक सहित दो सहायक शिक्षक को किया गया निलंबित

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | कलेक्टर श्री संदीप जी.आर. ने गुरुवार को संत रविदास वार्ड स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय, रामघाट सागर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कक्षा चौथी एवं पाँचवी के छात्र-छात्राओं से संवाद किया और विद्यालय के खुलने-बंद होने की जानकारी ली। साथ ही, शिक्षकों की उपस्थिति के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान विद्यालय के प्रभारी प्रधान अध्यापक एवं सहायक शिक्षक मोहन अग्रवाल अनुपस्थित पाए गए एवं सहायक शिक्षक श्री पंकज सिंह निरीक्षण के दौरान विद्यालय पहुँचे, किंतु उनके व्यवहार में नशे की आशंका के चलते कलेक्टर ने कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी श्री अरविन्द जैन ने शासकीय प्राथमिक विद्यालय, रामघाट सागर के प्रभारी प्राचार्य एवं सहायक शिक्षक मोहन अग्रवाल एवं सहायक शिक्षक पंकज सिंह को कम उपस्थिति लापरवाही बरतने, निर्देशों का पालन न करने एवं अन्य अनियमितताओं पर कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित किया। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि विगत दिवस कलेक्टर द्वारा शास. प्रा.शाला रामघाट विकास खण्ड सागर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान सहायक शिक्षक (प्रभारी प्रधानाध्यापक) मोहन अग्रवाल अनुपस्थित थे एवं संस्था में पदस्थ सहायक शिक्षक पंकज सिंह के शराब के नशे में होने की आशंका पाई गई। निरीक्षण के दौरान संस्था में मध्यान्ह वितरण में अव्यवस्था पाई गई, संस्था में पाठयपुस्तको का वितरण नहीं होना पाया गया, छात्र/छात्राओं का शैक्षणिक स्तर कमजोर एवं शिक्षकों का संस्था पर कोई नियंत्रण नहीं पाया गया। सहायक शिक्षक (प्रभारी प्रधानाध्यापक) मोहन अग्रवाल एवं सहायक शिक्षक पंकज सिंह का उक्त कृत्य गंभीर कदाचरण, स्वैच्छाचारिता, शिक्षक पद की गरिमा के प्रतिकूल होने के साथ ही म.प्र. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 का उल्लघन है, उक्त के संबंध में कारण बताओं नोटिस भी जारी किया गया जिसका प्रतिउत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया।

कलेक्टर श्री संदीप जी आर के निर्देशानुसार एवं म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मोहन अग्रवाल सहायक शिक्षक, शास. प्रा.शाला रामघाट विकास खण्ड सागर एवं सहायक शिक्षक श्री पंकज सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर केसली एवं शाहगढ़ पदस्थ किया गया है।

कलेक्टर की नई पहल : पशु मुक्त होंगी जिले की चार मुख्य सड़कें

» पशुओं को जप्त कर जुर्माना लगाने की कार्यवाही करें- कलेक्टर

• सागर, प्रतिनिधि

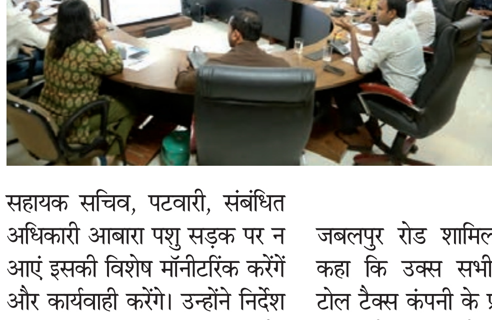

कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने नई पहल करते हुए पायलट प्रोजेक्ट के तहत जिले की चार मुख्य सड़कों से पालतू एवं आबारा पशुओं से मुक्त कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम, सीईओ, सीएम ओ, सहित अन्य विभागीय अधिकारी प्रमुखता से कार्यवाही करें और पशुओं को मुख्य सड़कों से पकड़कर निजी एवं शासकीय गौशालाओं में भेजें एवं पशु मालिकों पर प्रत्येक पशु के हिसाब से जुर्माने की कार्यवाही करें और यदि जुर्माने के बाद यदि कोई पशु सड़क पर आता है तो संबंधित पशु मालिक पर कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि इसके लिए संबंधित सड़कों पर सड़कों से लगी हुई ग्राम पंचायते, नगरीय निकाय के कोटवार, सचिव, सहायक सचिव, पटवारी, संबंधित अधिकारी आबारा पशु सड़क पर न आएं इसकी विशेष मॉनीटरिंक करेंगें और कार्यवाही करेंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी संबंधित सीईओ, सीएमओ कैटल कैचर वाहन क्रय कर एवं किराये पर लेकर शक्ति से कार्यवाही करें जिससे कि कोई भी पशु सड़कों पर विचरण न कर सके। विचरण करने से अनेक दुर्घटनाएं होती है एवं जन हानि होती है।

कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने बताया कि सागर-भोपाल रोड जिसमें सागर से बागरौद चौराहा तक, राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के अंतर्गत महाराजपुर से मालथौन तक की फौरलेन सड़क, सागर से छतरपुर रोड, सागर से जबलपुर रोड शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उक्स सभी सड़कों पर टोल टैक्स कंपनी के प्रतिनिधियों से चर्चा करें एवं पशुओं को पकड़ने के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चत कराएं। उन्होंने कहा कि सभी पशुओं को पकड़कर गौशाला में सिफ्ट किया जाए। गौशालाओं में शासन की ओर से प्रत्येक पशु प्रत्येक दिन के हिसाब से 40 रुपए की राशि प्रदान की जाती है जिससे कि उचित रखरखाब हो सकेगा। इसके साथ ही संबंधित पशु मालिक पर प्रत्येक पशु के हिसाब से जुर्माना भी लगाएं।

पौधों के संरक्षण के लिए 'पालक' नियुक्त करें पौधारोपण की नियमित जानकारी दें:- चौ.मुकेश सिंह चतुर्वेदी

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के प्रदेश संयोजक चौ.मुकेश सिंह चतुर्वेदी ने सागर में भाजपा जिला पदाधिकारियों के साथ बैठक अभियान के निमित्त चर्चा की

• सागर, प्रतिनिधि

सागर। पर्यावरण को सुरक्षित रखने और हरियाली बढ़ाने की दिशा में एक पेड़ मां के नाम अभियान मील का पत्थर साबित होगा। अभियान के अंतर्गत लगाएं जाने वाले पौधों की देखभाल के लिए पालक नियुक्त करें जो नियमित रूप से इन पौधों की निगरानी और सुरक्षा का दायित्व निभाएंगे। जिसमें पार्टी पदाधिकारी जनप्रतिनिधि कार्यकर्ताओं सहित आमजनों की सहभागिता हो। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एक पेड़ मां के नाम के प्रदेश संयोजक चौ.मुकेश सिंह चतुर्वेदी ने रविवार को सागर में जिला पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए कही। बैठक में जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी,प्रदेश मंत्री प्रभु दयाल पटेल मुख्य रूप से उपस्थित रहें।

एक पेड़ मां के नाम के प्रदेश संयोजक चौ. मुकेश सिंह चतुर्वेदी ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान की सफलता और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तरीय टोली का गठन किया गया है,टोली नियमित रूप से पौधारोपण की स्थिति की समीक्षा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। पौधारोपण के साथ-साथ पौधों की सुरक्षा और वृद्धि पर विशेष ध्यान दें ताकि यह अभियान केवल एक औपचारिकता न होकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक ठोस कदम सिद्ध हो।

बैठक में जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी ने अभियान के निमित्त हुए पौधारोपण की विस्तृत जानकारी दी।

जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन ने बताया कि बैठक में जिला महामंत्री अमित कछवाहा,मोनू चौहान, रामेश्वर नामदेव,देवेन्द्र कटारे,निकेश गुप्ता श्रीकांत जैन आलोक केशरवानी,विक्रम केशरवानी, देवेन्द्र फुसकेले,सुषमा यादव,संध्या भार्गव,यश अग्रवाल,अंशुल परिहार,बाल किशन सोनी, शालीन सिंह,नितिन सोनी नीरज यादव, राहुल नामदेव राहुल बैद्य,अमित बैसाखिया सहित पदाधिकारी आपेक्षित कार्यकर्ता उपस्थित रहें

कन्हैया इसरानी बने मलेशिया-सिंगापुर यात्रा के प्रभारी

सिंधी सेन्ट्रल पंचायत की बैठक में तैयारियों पर हुई चर्चा

भोपाल, नप्र।

संत हिरदाराम नगर की अग्रणी सामाजिक संस्था सिंधी सेन्ट्रल पंचायत पहली बार विदेशी धरती सिंगापुर में सम्मेलन करने जा रही है, इसके लिए 7 दिवसीय मलेशिया एवं सिंगापुर का टूर बनाया गया है, जिसमें लगभग सवा सौ प्रतिनिधि शामिल होंगे। कपड़ा कारोबारियों की अग्रणी संस्था थोक वस्त्र व्यवसाय संघ के अध्यक्ष कन्हैयालाल इसरानी को इस यात्रा का संयोजक बनाया गया है। यात्रा को लेकर अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश इसरानी के प्रतिष्ठान पर आयोजित बैठक जिसमें महासचिव सुरेश जसवानी, संरक्षक वासुदेव वाधवानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश चोटरानी, दिनेश वाधवानी के अलावा राहुल मिश्रा मुख्य रूप से उपस्थित थे, सर्वसम्मति से कन्हैयालाल इसरानी को टूर का संयोजक बनाया गया।

विस्तार से हुई चर्चा : बैठक में एक सितम्बर से प्रारंभ होने वाली 7 दिवसीय यात्रा पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें बताया गया कि एक सितम्बर को दिल्ली एवं मुम्बई दो जगहों से फ्लाइट में लगभग 120 प्रतिनिधि सवार होंगे, और 2 सितम्बर को मलेशिया पहुंचेगी। वहां दो दिन घूमने का आनंद लिया जाएगा, जबकि 4 सितम्बर को सिंगापुर पहुंचेगे। इसके बाद 5 सितम्बर को आधे दिन का सम्मेलन रखा गया है। इस सम्मेलन में भारत में सिंधी लिपि, साहित्य, संस्कृति व सभ्यता के समुचित उत्थान, सिंधी समाज के भीतर पनप रही सामाजिक बुराईयों पर प्रभावी रोक पर चर्चा की जाएगी। साथ ही सिंधी सेन्ट्रल पंचायत को राष्ट्रीय स्तर की संस्था घोषित किया जाएगा। बाद में इसका पंजीयन दिल्ली में करवाया जाएगा। सात दिवसीय यात्रा का समापन्न 7 सितम्बर को वापसी के साथ होगा। इस टूर में देशभर के विभिन्न नगरों से जाने माने सिंधी समाज सेवी एवं गणमान्य नागरिक शामिल हो रहे हैं। बैठक में प्रतिनिधियों के रहने, खाने सहित सभी तरह की व्यवस्थाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

हरे कृष्ण हरे कृष्ण के जयकारों से सराबोर हुआ संत हिरदाराम नगर

भगवान श्री जगन्नाथ की निकली विशाल शोभा यात्रा, खूब नाचे श्रद्धालु

भोपाल, नप्र।

शनिवार को संत हिरदाराम नगर पूरी तरह से धार्मिक रंग में डूबा रहां यह दूसरा साल है जब भगवान श्री जगन्नाथ महाराज की आकर्षक एवं भव्य शोभा यात्रा निकली। शाम चार बजे निकली यह यात्रा लगभग 4 घंटे तक संत हिरदाराम नगर के विभिन्न मार्गो पर घूमी इस दौरान शोभा यात्रा का भव्य स्वागत किया गया जगह जगह प्रसाद एवं शरबत के स्टाल लगाए गए थे। डीजे की ऊंची आवाज में हरे राम हरे कृष्णा की धुन पर सैकड़ों महिला, पुरूष व बच्चों ने नृत्य कर अपनी धार्मिक आस्था को प्रकट किया। शनिवार को संत हिरदाराम नगर में भगवान श्री जगन्नाथ जी की भव्य एवं आकर्षक शोभा यात्रा निकाली गई। कालका चौराहे से निकली इस यात्रा ने पांच किलो मीटर की परिक्रमा की। फूलों से सजे वाहन में भगवान श्री जगन्नाथ महाराज विराजमान थे, जिनके दर्शन करने के लिए बड़ी सख्या में महिला, पुरूष एवं बच्चे उमड़ पड़े। इसके साथ ही दर्शन करने वालों को इस्कान की तरफ से प्रसाद का वितरण भी किया गया। इस्कान से जुड़े संत नरेश पारदासानी ने बताया कि शोभा यात्रा का जगह जगह पुष्प वर्षा कर जहां स्वागत किया गया, वहीं जगह जगह प्रसाद व शरबत के स्टाल लगाए गए थे। नेतृत्व इस्कान भोपाल प्रमुख स्वामी रसनंद प्रभु एवं स्वामी मृदनंद दास ने किया। बरसात के कारण रथ यात्रा अपने निर्धारित समय से लगभग दो घंटे विलम्ब से प्रारंभ हुई। रथ यात्रा का कालका चौराहे के समीप राधे कृष्ण मंदिर के समक्ष महा आरती का आयोजन किया गया जिसमें संत नरेश पारदासानी एवं उनकी धर्म पत्नी दीपा पारदासानी शामिल हुई। रथ खींचने के लिए वार्ड 5 के कांग्रेसी पार्षद अशोक मारन, सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश इसरानी, महासचिव सुरेश जसवानी, कपड़ा एसोसियेशन के अध्यक्ष कन्हैयालाल इसरानी, महासचिव दिनेश वाधवानी सहित रथ यात्रा में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों के अलावा महिलाएं भी शामिल हुई।

की विभिन्न मार्गो की परिक्रम

रथ यात्रा कालका चौराहे से प्रारंभ हुई, जो भोपाल इंदौर राजमार्ग के बाद बस स्टेण्ड, एफवार्ड रोड, प्रेम रामचंदानी मार्ग, चचल रोड, पंजाब नेशनल बैंक रोड से होती हुई स्कान आश्रम पर समाप्त हुई। रथ यात्रा का उपनगर में जगह जगह उत्साह से स्वागत किया। जगह प्रसाद, शरबत की व्यवस्था की गई थी।

रथ पर सवार भगवान जगन्नाथ

यात्रा में भगवान श्री जगन्नाथ को फूलों से सजे एक वाहन में बैठाया गया था, उसके दोनो तरफ रस्सी बंधी थे, जिसे श्रद्धालु खींचते हुए चल रहे थे। रास्ते भर जिस तरह से गुरू ग्रन्थ साहिब की सवारी निकालते समय झाड़ू से सफाई के साथ पानी का छिड़काव किया जाता है, उसी तरह से रास्तेभर श्रद्धालु झाड़ू लगाते दिखे जबकि पानी के छिड़काव की इसलिए जरूरत नहीं पड़ी कि इन्द्र देवता खुद बरस रहे थे।

आजीवन निरोगी रहने के तीन मंत्रः उपवास, पेट की सफाई और नींद : डॉ. रमेश टेवानी

भोपाल

परमहंस संत हिरदाराम साहिब जी के आशीर्वाद एवं परम श्रद्धेय संत सिद्ध भाऊ जी के मार्गदर्शन में संचालित संत हिरदाराम योगा एवं नेचर क्योर हास्पिटल (आरोग्य केन्द्र) एनएबीएच एक्रेडिटेड हॉस्पिटल व केन्द्रीय कर्मचारियों (कार्ड होल्डर्स) के उपचार हेतु अधिकृत किया गया है। आरोग्य केन्द्र द्वारा दिनांक 25 जून से 04 जुलाई तक दस दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर का आयोजन किया गया हैं जिसका भव्य अनुभव समारोह दिनांक 03 जुलाई को आयोजित किया गया। इस शिविर में अलग-अलग स्थानों से संत हिरदाराम नगर में पधारे साधकगण जिसमें से मध्यप्रदेश से 35, महाराष्ट्र से 05, दिल्ली से 9, गुजरात से 6, उत्तरप्रदेश से 11,बिहार से 03, राजस्थान से 9, छत्तीसगढ़ से 4, पंजाब से 4, तेलंगाना से 3,उत्तराखण्ड से 1,हरियाणा से 4, झारखण्ड से 1, चंडीगढ़ से 2 कुल 97 साधकगणों ने भाग लिया। इस शिविर में विभिन्न प्रकार की बीमारियों का उपचार किया जाता हैं जैसे- डिप्रेशन, डायबिटीज, हायपोथायरायडिज्म, कब्ज, ऑस्टियोआर्थराइट्सि, हाइपरटेंषन, मोटापा, पॉजीटिव प्रमोषन इन हेल्थ, गैस्ट्राइटिस, इनसोमनिया, माइग्रेन, हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया, अस्थमा, लम्बर स्पॉन्डिलाइटिस, साइटिका और फ्रोजन शोल्डर। आरोग्य केन्द्र मे शिविर में निम्नलिखित गतिविधियां प्रदान की जाती हैः- प्रातः जागरण एवं नित्यकर्म, नियमित योगाभ्यास, यौगिक क्रियाएँ, प्रातः कालीन व सायंकालीन व्याख्यान सत्र एवं शंका समाधान, प्राकृतिक चिकित्सा, प्राकृतिक आहार, ध्यानात्मक क्रियाएँ एवं आनंद मेला। इस सत्र में डॉ. रमेश टेवानी जी ने बताया कि मनुष्य जीवन बहुत दुर्लभ हैं, इस जीवन का अंतिम लक्ष्य यह हैं कि हम प्रभु के चरणों मे समा जाए, ये लक्ष्य पूरा तब होता हैं जब हम तन व मन से स्वस्थ हो, तन से स्वस्थ होने के लिए प्राकृतिक चिकित्सा, मन से स्वस्थ होने के लिए ध्यान, प्रणायाम और योग व जीवन को सार्थक करने के लिए समाज सेवा। इस शिविर का उद्देश्य पूरे भारत को दवा रहित व दर्द रहित बनाना है। आजीवन निरोगी रहने के लिए उपवास, पेट की सफाई व नींद ये तीन चीजें जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है, उपवास रसाहार व फलाहार के माध्यम से करते हैं। आप सबका दायित्व यह हैं कि आपने इस स्थान से जितना सीखा हैं उतना दूसरो को बांटे ताकि वो भी आपके जैसे स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखें। जिसके जीवन में प्यार व आनंद हैं, वह साधक कभी भी अस्वस्थ नहीं हो सकते हैं, परिस्थिति कैसी भी हो हमें हमेशा मुस्कुरान व आनंद में रहना चाहिए। 24 घंटे में से 1 घंटा हमें हमारे स्वास्थ्य की लिए समय निकालना चाहिए, अज्ञान ही बीमारी का कारण हैं, अज्ञानता के कारण ही हम अपना जीवन व्यर्थ कर देते हैं इसलिए प्राकृतिक चिकित्सा का ज्ञान प्राप्त करके स्वयं को डॉक्टर बनाना हैं। अनुभव सत्र में शिविरार्थियों ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि उन्हें दस दिनों में ही बी.पी., डायबीटिज, घुटनों के दर्द, हाथों पैरों के दर्द, अर्थराइटिस, साइनस, सरवाइकल स्पोंडिलाइटिस में काफी आराम हुआ, राजस्थान सें आई विजया श्रीमली जी ने जीवन षैली के बारे में जाना। भोपाल से आई आशा सिंघी जी इनको बीपी की बीमारी में आराम मिला। भोपाल से आई वत्सला माकोड़े इनको कमर में दर्द और सरवाईकल की बीमारी मे काफी आराम मिला। नोएडा से आई बेबी उपाध्याय जी इनको घुटनों के दर्द में आराम हुआ। दस दिनों में शिविर के दौरान दिनचर्या के बारे में जाना। भोपाल से आई ममता साहू जी जिनको शिविर के दौरान शुगर की बीमारी में आराम मिला है। दिल्ली से आई अनीता अरोरा जी इनको पैरो के दर्द में आराम मिला है। जीवन शैली के बारे में जाना। भोपाल से आए हरि चरण गौतम जी इनको कोलेस्ट्राल से ग्रसित थे ,इनको आराम मिला। झारखण्ड से आए कामेश्वर प्रसाद जी को यूरिक एसिड में आराम मिला। भोपाल से आए लालजी गुप्ता जी जिन्होने अपना वजन कम किया। प्रयागराज से आए ब्रज किशोर तिवारी जी जिनको कमर के दर्द में आराम मिला। कटनी से आये देवराज केवलानी जी जिन्होने जीवन षैली के बारे में जाना। हरियाणा से आए मोहित बंसल जी जिनको कब्ज की समस्या में आराम मिला। दिल्ली से आए प्रीतम अरोरा जी जिनको शुगर व बीपी की बीमारी में आराम मिला।

कार्यक्रम के अंत में डॉ लता टेवानी जी शिविर में आए हुए समस्त साधकगणों का सहृदय आभार व्यक्त किया। आगामी कैम्प 11 जुलाई से 20 जुलाई 2025 को आयोजित किया जाएगा। तो आप भी स्वास्थ्य की तरफ एक सृजनात्मक रास्ते पर चलिये और आरोग्य केन्द्र को स्वयं के जीवन में आरोग्यता का माध्यम बनने का सुअवसर प्रदान करिये। शिविर एवं संस्था के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति को कोई भी जानकारी प्राप्त करनी हो तो वह आरोग्य केन्द्र के मेडिकल डायेरक्टर डॉ. गुलाब रॉय टेवानी से मोबाइल नम्बर 7509010110, 6260777789 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

काजल की काली कोठरी से बेदाग होकर निकले थद्धाराम ज्ञानचंदानी : गेहानी

37वीं पुण्य तिथि श्रद्धा से मनाई गई, शामिल हुए गणमान्य लोग

भोपाल। अपने जमाने के कांग्रेस के स्थापित नेता, जाने माने कपड़ा कारोबारी एवं वरिष्ठ समाज सेवी, थद्धाराम ज्ञानचंदानी जिनका ब्रम्हलीन स्वामी हिरदाराम साहिब जी में अटूट विश्वास एवं श्रद्धा थी, देहांत के 37 साल बाद भी आम जनता के मानस पटल पर ताजा बने हुए हैं।

रहे भोपाल के उप महापौर : 1986 से 1988 तक भोपाल नगर निगम के उप महापौर रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थद्धाराम ज्ञानचंदानी की 37वीं पुण्य तिथि शनिवार को श्रद्धा से मनाई गई। पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षाविद विष्णु गेहाणी ने बताया कि स्व थद्धाराम ज्ञानचंदानी महान शख्सियत के धनी थे। वे संत हिरदाराम साहिब जी के परम शिष्य थे तथा गुणवान, संस्कारवान, दयावान, निष्ठावान एवं नेक इंसान थे। वरिष्ठ कांग्रेस नेता त्रिलोक दीपानी ने कहा कि स्व0 ज्ञानचंदानी ने कर्तव्यनिष्ठ कर्मठ कार्यकर्ता एवं ईमानदारी से सेवा करते हुए साख बनाई। उसे कभी भुलाया नही जा सकता। थद्धाराम ज्ञानचंदानी के सुपुत्र हीरो ज्ञानचंदानी ने कहा कि हम अपने पिताजी के बताए मार्ग पर चलकर सेवा भाव का कार्य कर रहे है। पार्षद अशोक मारण ने कहा कि संत हिरदाराम नगर के विकास में थद्धाराम का अविस्मरणीय योगदान रहा।

ट्रेनों का स्टापेज बड़ी सौगातः जसवानीः इस अवसर पर सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के महासचिव सुरेश जसवानी ने कहा कि स्व थद्धाराम ज्ञानचंदानी ने संत हिरदाराम नगर में विकास की गंगा बहाई। उन्होंने पानी की समस्या हल के लिए ओवर टेंक का निर्माण करवाया। कम्युनिटी हाल का निर्माण व ट्रेन के स्टापेज करवाए। थद्धाराम ज्ञानंचदानी के आग्रह पर ही स्व. रेल मंत्री माधवराम सिंधिया व उस समय के मुख्यमंत्री मोतीलाल संत हिरदाराम नगर के नव युवक सभा भवन में 7 मार्च 1987 को आए और रेलवे ओवर ब्रिज की घोषणा करते हुए 4 करोड़ की राशि आवंटित की, लेकिन बाद में किन्हीं कारणों से ओवर ब्रिज नहीं बन सका। सुरेश जसवानी ने बताया कि 1983 नवम्बर में हुए नगर निगम के पहली बार चुनाव में पहली बार बैरागढ़ की चारों सीटों पर कांग्रेस ने थद्धाराम ज्ञानचंदानी के नेतृत्व में ऐतिहासिक विजय हासिल की। यहां ईदगाह हिल्स सिंधी पंचायत के मुख्य सलाहकार जयकिशन लालचंदानी ने कहा कि थद्धारामजी संत नगर के नेता नहीं थे वे पूरे मध्यप्रदेश सिंधी समाज के नेता थे। इस अवसर पर हीरो हिन्दू ने कहा कि स्व. थद्धाराम ज्ञानचंदानी एक राजनेता के साथ साथ वरिष्ठ समाजसेवी थे। हमें उनके बाते मार्ग पर चलना चाहिए। इस अवसर पर भाजपा नेता चन्दू ईसरानी ने कहा कि जब हम छात्र राजनीति करते थे उस समय अगर कोई समस्या होती थी तो हम थद्धाराम ज्ञानचंदानी के पास जाते थे उस समस्या का हल करवाते थे।

अब यात्रा के दौरान रेलवे द्वारा यात्रियों की पहचान हेतु किया जाएगा एम आधार एप का उपयोग

भोपाल, नप्र। अब रेलवे बोर्ड द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार एम आधार एप (mAadhaar एप्लीकेशन) का उपयोग कर यात्रा के दौरान यात्रियों की पहचान की जाएगी।किसी अन्य यात्री के टिकट पर या जाली आधार कार्ड का उपयोग कर अनाधिकृत रूप से ट्रेनों में यात्रा करने जैसे मामलों की रोकथाम हेतु आवश्यक है कि पहचान पत्रों की जांच की प्रक्रिया को तकनीकी रूप से सशक्त बनाया जाए।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा विकसित mAadhaar एप्लीकेशन इस दिशा में एक प्रभावी उपकरण है। उक्त एप्लीकेशन QR कोड आधारित पहचान सत्यापन की सुविधा प्रदान करता है, जिससे आधार कार्ड की वास्तविकता को त्वरित एवं विश्वसनीय रूप से सत्यापित किया जा सकता है। mAadhaar एप्लीकेशन को शीघ्र ही HHT डिवाइस पर भी उपलब्ध कराया जाएगा। जिससे आरक्षित टिकटो एवं पहचान पत्रों के दुरुपयोग को रोकने तथा यात्रियों की वास्तविक पहचान सुनिश्चित की जा सके।

मध्यप्रदेश में खेलो इंडिया योजना के क्रियान्वयन का अध्ययन

भोपाल, नप्र। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग से प्रधानमंत्री कार्यालय, नई दिल्ली के निदेशक श्री ऋग्वेद मिलिंद ठाकुर ने शनिवार को भेंट की। यह भेंट श्री ठाकुर के दो दिवसीय भोपाल प्रवास के दौरान संपन्न हुई, जिसका उद्देश्य खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत राज्य में खेल अधोसंरचना, नवाचार, प्रशिक्षण और खिलाड़ियों के विकास संबंधी पहलुओं का प्रत्यक्ष अध्ययन करना था। मंत्री श्री सारंग ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच से प्रेरित 'खेलो इंडिया' पहल को प्रदेश में सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए क्रियान्वित किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा 'खेलो बढ़ो अभियान' के माध्यम से भी नवोदित खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, संसाधन और प्रतिस्पर्धा के मंच उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में खेल अधोसंरचना को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित किया गया है, जिससे राज्य के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। श्री ठाकुर ने भेंट के दौरान मध्यप्रदेश सरकार द्वारा खेलो इंडिया योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश ने न केवल योजनाओं को धरातल पर उतारा है, बल्कि खेल अधोसंरचना और प्रतिभा संवर्धन के क्षेत्र में कई अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किए हैं।

खेलो इंडिया में मध्यप्रदेश बना अग्रणी राज्यः मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की प्रेरणा से खेलों के प्रति युवाओं में जोश और उत्साह का जो वातावरण बना है, वह भविष्य में भारत को ओलंपिक जैसे वैश्विक आयोजनों में और अधिक पदक दिलाने में सहायक सिद्ध होगा। श्री ठाकुर ने अपने दौरे की समापन टिप्पणी में कहा कि मध्यप्रदेश में खेलो इंडिया योजना को अत्यंत समर्पण एवं व्यावसायिक दक्षता के साथ लागू किया गया है। राज्य की खेल अधोसंरचना, नवाचारों और अकादमिक पहल से यह स्पष्ट है कि प्रदेश खेलों के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहा है।

करोंद में अन्नपूर्णा व दादा का ढाबे में 8 प्रकरण दर्ज

छोला में नालियों के नीचे मिली 76000 की अवैध शराब

भोपाल, नप्र। कलेक्टर भोपाल कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन पर सहायक आबकारी आयुक्त वीरेंद्र धाकड़ के मार्गदर्शन तथा नियंत्रण कक्ष प्रभारी आर.जी.भदौरिया के नेतृत्व में जिला भोपाल की आबकारी टीम को मदिरा के अवैध संग्रहण एवं विक्रय की सूचना पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए छोला स्थित शक्ति नगर में घरों के बाहर नालियों में 24 बोतल विदेशी मदिरा बरामद की। जो कि 4-4 बोतलों के बोरी में बंद बंडल के रूप में नालियों में छुपा कर रखी हुई थी। इसी कॉलोनी में लावारिस रखी एक गुमटी में 05 पेटी में भरी 60 बोतल विदेशी मदिरा बरामद हुई द्य इस प्रकार कुल 63बल्क लीटर विदेशी मदिरा जप्त कर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध मप्र आबकारी अधिनियम 1915 की धारा34(1)क व 34(2) के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया अवैध जब्त शराब की। अवैध शराब की अनुमानित कीमत लगभग

76,000 रुपये हैद्य आरोपी की तलाश कर प्रकरण शीघ्र न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। वही आबकारी टीम द्वारा करोंद स्थित अन्नपूर्णा और दादा का ढाबा रेस्टोरेंट में प्रभावी कार्यवाही करते हुए अवैध मदिरापान करते पाए जाने पर के विरुद्ध 08 प्रकरण दर्ज़ किए। उक्त कार्यवाही वृत्त प्रभारी रमेश अहिरवार द्वारा की गई द्य कार्यवाही के दौरान जिला भोपाल का समस्त आबकारी अमला मौजूद रहा।

डॉ परिहार बने पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के मध्य प्रदेश अध्यक्ष

भोपाल, नप्र। मध्यप्रदेश पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने डॉ विवेक परिहार को मध्य प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त , डॉक्टर विवेक सिंह परिहार ने कहा कि,मध्यप्रदेश में पैरा स्पोर्ट्स की जानकारी काफ़ी कम लोगों को है, इसलिए मध्यप्रदेश के कई जिलों में पैरा स्पोर्ट्स के नवनियुक्त अध्यक्ष नियुक्त जल्द ही किए जाएंगे और संगठन का विस्तार किया जाएगा वहीं उन्होंने बताया कि,2028 में पैरा ओलंपिक होने वाले हैं,जिसको लेकर हमने मध्यप्रदेश में तैयारियां शुरू कर दी है,इसलिए घर गांव, हर जिले,हर कस्बे,से ऐसे होनहार खिलाड़ियों को चुना जाएगा,ताकि खिलाड़ी अपने हुनर से देश एवं प्रदेश का नाम रोशन कर सके, इसलिए समय-समय मध्य प्रदेश के अनेक जिलों में कैंप लगाकर खिलाड़ियों खेल के प्रति जानकारी देंगे परिहार को यह दायित्व मिलने पर उनके इष्ट मित्रों ने एवं खिलाड़ियों ने बधाई दी एवं शुभकामनाएं दी।

पशुपालन और जूनोटिक रोगः जोखिम और ज़िम्मेदारी दोनों आपकी

भोपाल, नप्र। जूनोटिक बीमारियाँ वे बीमारियाँ होती हैं जो पशुओं और इंसानों के बीच फैल सकती हैं। ये बीमारियाँ पशुओं और इंसानों दोनों को प्रभावित कर सकती हैं एवं कभी-कभी गंभीर रूप से या जानलेवा भी हो सकती हैं। इनसे पशुपालकों को अधिक खतरा होता है। पशुओं के साथ ज़्यादा समय बिताने से संपर्क बढ़ता है, जिससे जोखिम भी बढ़ता है। जूनोटिक बीमारियाँ तब फैलती हैं जब इंसान किसी संक्रमित पशु या उससे जुड़ी वस्तुओं के संपर्क में आता है। कुछ आम जूनोटिक बीमारियों में रेबीज शामिल है, जो पशु के काटने से फैलती है और समय पर टीका न लगवाने पर जानलेवा हो सकती है। ब्रुसेलोसिस संक्रमित पशुओं के दूध या सीधे संपर्क से फैलती है, जिससे बुखार, जोड़ों में दर्द और गर्भपात हो सकता है। टीबी (ट्यूबरकुलोसिस) संक्रमित पशुओं के संपर्क, दूध या मांस के सेवन से फैल सकती है। एंथ्रैक्स संक्रमित जीवित या मृत पशुओं और उनके उत्पादों से फैलता है। बर्ड फ्लू बीमार पक्षियों या उनकी बीट के संपर्क से फैलता है, जबकि साल्मोनेला कच्चे मांस, दूध या अंडों के ज़रिए इंसानों में संक्रमण फैला सकता है। इन जूनोटिक बीमारियों से बचाव के लिए सावधानी बरतना बेहद ज़रूरी है। बीमार या मरे हुए पशुओं से दूरी बनाए रखें और उन्हें बिना सुरक्षा उपकरणों के न छुए। पशुओं के शवों का निपटान निर्धारित प्रक्रिया अनुसार करें। बच्चों को बीमार पशुओं से दूर रखें। हमेशा दूध को उबालकर और मांस व अंडों को अच्छी तरह पकाकर ही सेवन करें। पशुओं का नियमित टीकाकरण कराएं, विशेषकर रेबीज और ब्रुसेलोसिस जैसी बीमारियों के टीके अवश्य लगाए। पशुओं की देखभाल करते समय दस्ताने, मास्क और अन्य सुरक्षात्मक उपकरणों का उपयोग करें।

॥ संपादकीय ॥

कर्नाटक में कांग्रेस राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ वाली गलती दोहरा रही है

कर्नाटक में कांग्रेस ने 2023 के विधानसभा चुनावों में शानदार जीत दर्ज की थी। यह जीत केवल भाजपा को सत्ता से हटाने तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसके साथ ही कांग्रेस ने यह संदेश भी दिया था कि यदि पार्टी एकजुट और ठोस नेतृत्व के साथ मैदान में उतरे तो वह भाजपा को घेर सकती है। लेकिन अब, कर्नाटक में कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान और लगातार सार्वजनिक रूप से सामने आने वाले मतभेदों ने सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या कांग्रेस यहां पर वही गलती दोहरा रही है जो उसने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में की थी?

हम आपको याद दिला दें कि राजस्थान में अशोक गहलोत बनाम सचिन पायलट का विवाद कांग्रेस के लिए दीर्घकालिक सिरदर्द बना रहा था। इसी तरह छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव के बीच सत्ता-साझेदारी को लेकर विवाद लगातार सामने आता रहा था। ऐसा ही वाकया मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया और कमलनाथ के बीच देखने को मिला था। ज्योतिरादित्य भाजपा में चले गये थे जिससे कमलनाथ की सरकार बीच में ही गिर गयी थी। तीनों ही राज्यों में मतभेद पार्टी मंच के बजाय मीडिया में उछलते रहे, जिससे भाजपा को सत्ता में आने का मौका मिल गया। इसी तरह कर्नाटक में भी देखने को मिल रहा है कि आलाकमान द्वारा समय रहते निर्णायक कदम नहीं उठाने के कारण टकराव बढ़ते जा रहे हैं।

हम आपको याद दिला दें कि कर्नाटक में कांग्रेस की जोरदार जीत के बाद से ही यह स्पष्ट था कि सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री पद के दावेदार थे। समझौते के तहत सिद्धारमैया को 5 साल के लिए मुख्यमंत्री बनाया गया, लेकिन शिवकुमार खेमा इसे अंदर ही अंदर चुनौती दे रहा है। कर्नाटक में मंत्रिमंडल विस्तार की बात हो चाहे प्रशासनिक निर्णयों की बात हो या फिर रणनीतिक घोषणाओं की बात हो, सभी मामलों में दोनों नेताओं के बीच मतभेद लगातार उजागर होते रहते हैं। इसके अलावा, कांग्रेस के विधायक और मंत्री भी खुलेआम एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। डीके शिवकुमार के समर्थक अक्सर उन्हें 'भावी मुख्यमंत्री' कहकर प्रचारित करते हैं जो सिद्धारमैया समर्थकों को असहज करता है और इसके चलते दोनों ओर से बयानबाजी शुरू हो जाती है।

हम आपको बता दें कि देश में सिर्फ तीन राज्यों में कांग्रेस की सरकार है और देखने में आ रहा है कि तीनों जगह पार्टी में कलह है। कर्नाटक के साथ ही हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में भी कांग्रेस नेता आपस में भिड़े हुए हैं लेकिन कर्नाटक की कलह कुछ ज्यादा ही उजागर हो रही है। यही नहीं, कर्नाटक के विवाद को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा हाईकमान पर टालना दर्शाता है कि उनके हाथ में कुछ नहीं है और सब कुछ ऊपर से ही मैनेज हो रहा है, तभी इस प्रकार का टकराव बना हुआ है। देखा जाये तो कांग्रेस इस समय देश में मुख्य विपक्षी पार्टी है इसलिए सवाल उठता है कि जब वह अपना घर ही नहीं संभाल पा रही तो देश में मजबूत विपक्ष की भूमिका कैसे निभा पायेगी? कांग्रेस विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों को भी एकजुट रख पाने में विफल रही है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि केरल और हरियाणा में पिछले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का सरकार में आना तय माना जा रहा था लेकिन अपने ही नेताओं के आपसी झगड़ों की बदौलत पार्टी सत्ता से बहुत दूर रह गयी थी। इससे साबित होता है कि कांग्रेस को हमेशा अपनों ने ही लूटा है लेकिन फिर भी पार्टी गलतियों से सीख लेने को तैयार नहीं है।

उधर, कर्नाटक में कांग्रेस के दोनों धुरंधर नेताओं के समीकरणों पर गौर करें तो आपको बता दें कि अत्यंत पिछड़े कुरबा समुदाय से आने वाले मुख्यमंत्री सिद्धारमैया बड़े जनाधार वाले नेता हैं। वह सोशल इंजीनियरिंग के मास्टर हैं और उन्हें पता है कि चुनावों में भाजपा के जातिगत समीकरणों को कैसे बिगाड़ना है। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार आर्थिक-सामाजिक रूप से संपन्न वोक्कालिगा समुदाय से आते हैं। वह पुराने कांग्रेसी हैं, गांधी परिवार के विश्वस्त हैं और धनबल, बाहुबल के खिलाड़ी हैं। कई विधायक भी उनके साथ हैं लेकिन हाईकमान हर बार सिद्धारमैया के सिर पर हाथ रख देता है इसलिए उन्होंने हाल ही में कहा भी है कि मेरे पास समर्थन करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है। कर्नाटक में एक बात और देखने को मिल रही है कि यहां कांग्रेस की गलतियों की वजह से मामला पेचीदा होता जा रहा है। दरअसल असंतुष्टों पर ना तो कांग्रेस कोई कार्रवाई कर रही है ना ही उन्हें राजनीतिक रूप से कहीं समायोजित कर रही है। ऐसे में विधायकों का धैर्य जवाब दे रहा है। कर्नाटक में स्थिति यह है कि सत्तारुढ़ दल का हर विधायक मुख्यमंत्री बनना चाहता है इसलिए भी पार्टी के लिए हालात को संभालना मुश्किल होता जा रहा है।

इसके अलावा, कर्नाटक में कांग्रेस की 'गारंटी योजनाएं' चुनाव जिताने में तो सहायक रहीं, लेकिन अब उनके क्रियान्वयन में वित्तीय संकट और प्रशासनिक गड़बड़ियाँ भी सामने आ रही हैं। सत्तारुढ़ दल के विधायक ही कह रहे हैं कि हमें हमारे क्षेत्र के विकास के लिए फंड नहीं मिल रहा। इस सब स्थिति के बीच भाजपा चुपचाप कर्नाटक में खुद को मजबूत करने और सामाजिक समीकरणों को सहेजने में लगी है ताकि आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों में अपना प्रदर्शन सुधारा जा सके। बहरहाल, कर्नाटक की राजनीति में अक्सर नये नाटक होते रहते हैं इसलिए देखना होगा कि फिलहाल विधायकों से बातचीत के बाद कांग्रेस ने राज्य में 'ऑल इज वेल' का जो दावा किया है वह स्थिति कब तक बनी रहती है।

• नीरज कुमार दुबे

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 6-7 जुलाई 2025-पुतिन व शी ज़िनपिंग की गैर मौजूदगी-भारतीय पीएम का आगाज़ ग्लोबल साउथ दोहरे मापदंडों का हो रहा है शिकार

> वैश्विक संस्थाओं क़ा एआई युग में 80 साल में एक बार भी संशोधित नहीं होना,20वीं सदी के टाईपराइटर क़ाम बनाम 21वीं सदी के सॉफ्टवेयर

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ परंतु विशेष रूप से यूरोप व विकसित देशों को ब्रिक्स देशों के अति महत्वपूर्ण व संभाव्य रुतबे का ज़रूर एहसास होगा, क्योंकि यह पहले 7 देशों का परिवार था,जो अभी बढ़कर 11 हो चुके हैं और भविष्य में 30 तक जाने की संभावना है,इन मजबूत देशों को किसी वैश्विक निर्णायक मोड टेबल पर स्थान नहीं दिया गया है,जबकि दुनियाँ को 42 पर्सेंट आबादी से अधिक, जीडीपी में 23 परसेंट, व्यय में 17 परसेंट, वैश्विक विकास, व्यापार व निवेश में बहुत बड़ा योगदान है, वैश्विक गरीबी से लड़ने में महत्वपूर्ण सहयोग व तेल गैस प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर 11 देशों का व्यापार अमेरिकी डॉलर से होता है जो एक मुद्दा बना कि ब्रिक्स देशों को अल्टरनेटिव करेंसी के रूप में लाया जाएगा,जिसपर फरवरी 2025 में ट्रंप ने कहा था कि अगर डॉलर से छेड़छाड़ की गई तो 100 से 500 परसेंट तक टैरिफ लगा दिया जाएगा। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र, यह मानता हूं कि इस बार ब्राजील में हो रहे 17 वाँ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन कुछ फ़ीका सा लग रहा है, क्योंकि इसमें रूस के राष्ट्रपति पुतिन चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग व ईरानी राष्ट्रपति हाजिर नहीं हुए हैं, जो शायद ब्रिक्स के जीवनकाल में पहली बार हो रहा है, कई और नेताओं के न आने के कारण ब्राज़ील और लेटिन अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों में रियो डी जेनेरियो में हो रही इस बैठक को कम भागीदारी वाली' और यहां तक कि 'खाली' बताया जा रहा है,ब्राज़ीलमीडिया रिपोर्टों के मुताबिक़, ब्रिक्स के एक और अहम नए सदस्य मिस्र के राष्ट्रपति भी बैठक में मौजूद नहीं होंगे ब्रिक्स के मुख्य सदस्य देशों में से भारत के पीएम और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति के साथ नए सदस्य इंडोनेशिया के राष्ट्रपति इस बैठक में व्यक्तिगत रूप से शामिल हुए हैं,हालांकि, ब्राज़ील और अन्य क्षेत्रीय विश्लेषकों का मानना है कि इतने नेताओं के न आने से वामपंथी मेज़बान लूला डि सिल्वा की खुद को अंतरराष्ट्रीय नेता के तौर पर स्थापित करने की कोशिश प्रभावित हो सकती है।दरअसल, ब्रिक्स देशों के बीच खुद भी मतभेद हैं, जहां चीन और रूस अमेरिका विरोधी सख्त रुख अपनाते हैं, वहीं भारत और ब्राजील संतुलित रुख के पक्षधर हैं, इस साल सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे ब्राजील के राष्ट्रपति की कोशिश है कि एआई, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर केंद्रित रहकर सम्मेलन को राजनीतिक विवादों से दूर रखा जाए, ट्रंप की अमेरिका में सत्ता में वापसी के बाद ब्राजील नहीं चाहता कि वह किसी भी तरह के अमेरिकी प्रतिबंधों का निशाना बने।ब्रिक्स नेताओं,नें यह चेतावनी भी दी कि अमेरिकी राष्ट्रपति के 'अंधाधुंध' आयात शुल्क से वैश्विक अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचने का खतरा है।अंतिम शिखर सम्मेलन के वक्तव्य के अनुसार, ब्रिक्स नेताओं ने 'एकतरफा टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों के बढ़ने पर गंभीर चिंता व्यक्त की,'तथा चेतावनी दी कि ये अवैध और मनमाने हैं।चूँकि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पुतिन व शी जिनपिंग की गैर मौजूदगी व भारतीय पीएम का आगाज़, ग्लोबल साउथ दोहरे मापदंड का हो रहा है शिकार, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे ग्लोबल साउथ को वैश्विक संस्थाओं की निर्णय टेबल पर प्रतिनिधित्व नहीं देना जैसे मोबाइल में सिम तो है, पर नेटवर्क नहीं सटीक कटाक्ष है।

साथियों बातअगर हम एक ऐसे ब्रिक्स की परिकल्पना करने की करें जो कुछ परिणाम देगा,तो उनमें से, जलवायु परिवर्तन वित्तपोषण,कृत्रिम बुद्धिमत्ता के वित्तपोषण और विनियमन पर एक समर्पित घोषणा, और सामाजिक रूप से निर्धारित बीमारियों पर साझेदारी,वे बीमारियाँ जिन्हें हम गरीबी की स्थिति से जोड़ते हैं। पहले सत्र के अलावा, रियो ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के सभी सत्र भागीदार देशों और आमंत्रित देशों के लिए खुले रहेंगे। यह मानवता की बड़ी चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए मंच में पारदर्शिता और समावेशिता का एक प्रयास है। एक स्पष्ट संकेत यह है कि 30 से अधिक देशों ने ब्रिक्स में शामिल होने में रुचि व्यक्त की है। यह बहुत कुछ कहता है।अमेरिकी राष्ट्रपति ने धमकी दी है कि अगर ब्रिक्स डी-डॉलराइजेशन की ओर बढ़ता है तो वे उसके खिलाफ 100-500 पेर्सेंट टैरिफ लगा देंगे। ऐसा कोई प्रस्ताव या चर्चा सम्मेलन में नहीं होने की संभावना है।

साथियों बात अगर हम ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2025 मेंरविवार 6 जुलाई 2025 को देर शाम भारतीय पीएम के संबोधन की करें तो,उन्होंने कहा, 'ग्लोबल साउथ अक्सर दोहरे मानदंडों का शिकार रहा है। चाहे विकास की बात हो, संसाधनों के वितरण की बात हो या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की, ग्लोबल साउथ के हितों को प्राथमिकता नहीं दी गई है। जलवायु वित्त, सतत विकास और प्रौद्योगिकी पहुंच जैसे मुद्दों पर ग्लोबल साउथ को अक्सर सिर्फ औपचारिक इशारे ही मिले हैं'।आगे कहा '20वीं सदी में बनी वैश्विक संस्थाएं 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने में असमर्थ हैं। चाहे दुनियाँ के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे संघर्ष हों, महामारी हो, आर्थिक संकट हो या साइबरस्पेस में नई उभरती चुनौतियां हों, इन संस्थाओं के पास कोई समाधान नहीं है'।आगे कहा 'एआई के युग में, जहां हर हफ्ते तकनीक अपडेट होती है, यह स्वीकार्य नहीं है कि कोई वैश्विक संस्थान 80 साल में एक बार भी अपडेट न हो। 20वीं सदी के टाइपराइटर 21वीं सदी के सॉफ्टवेयर को नहीं चला सकते'। 20वीं सदी में गठित वैश्विक संस्थाओं में मानवता के दो तिहाई हिस्से को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में अहम योगदान देने वाले देशों को निर्णय लेने वाली मेज पर जगह नहीं दी गई है। यह सिर्फ प्रतिनिधित्व का सवाल नहीं है, बल्कि विश्वसनीयता और प्रभावशीलता का भी सवाल है। इसी बात को आगे बढ़ाते हुए एआई का भी जिक्र किया।अंत में एक बड़ा संदेश देते हुए कहा कि आज दुनिया को एक नई, बहुध्रुवीय और समावेशी विश्व व्यवस्था की जरूरत है। इसकी शुरुआत वैश्विक संस्थाओं में व्यापक सुधारों से करनी होगी। सुधार केवल प्रतीकात्मक नहीं होने चाहिए, बल्कि उनका वास्तविक प्रभाव भी दिखना चाहिए। ग्लोबल साउथ को जलवायु वित्त, सतत विकास और प्रौद्योगिकी पहुंच पर सिर्फ दिखावटी चीजें मिली हैं।विकास, संसाधनों के वितरण या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर ग्लोबल साउथ के साथ दोहरा मापदंड अपनाया गया है।'ब्रिक्स का विस्तार और नए दोस्तों का जुड़ना इस बात का प्रमाण है कि ब्रिक्स एक ऐसा संगठन है जो समय के अनुसार खुद को बदल सकता है। अब, हमें यूएन सुरक्षा परिषद, डब्लूएचओ और बहुपक्षीय विकास बैंकों जैसे संस्थानों में सुधार के लिए भी ऐसी ही इच्छाशक्ति दिखानी होगी। ब्रिक्स ने खुद को बदला है और नए देशों को शामिल किया है। अब हमें यूएन सिक्योरिटी कौंसिल, डब्लूटीओ और मल्टीलेटरल डेवलपमेंट बैंक्स जैसे संगठनों में भी बदलाव करने होंगे। हमें इन संगठनों को और बेहतर बनाने के लिए काम करना होगा।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे किब्रिक्स शिखर सम्मेलन 6-7 जुलाई 2025- पुतिन व शी ज़िनपिंग की गैर मौजूदगी- भारतीय पीएम का आगाज़ ग्लोबल साउथ दोहरे मापदंडों का हो रहा है शिकारवैश्विक संस्थाओं क़ा एआई युग में 80 साल में एक बार भी संशोधित नहीं होना, 20वीं सदी के टाईपराइटर क़ाम बनाम 21वीं सदी के सॉफ्टवेयर ग्लोबल साउथ को वैश्विक संस्थाओं की निर्णय टेबल पर प्रतिनिधित्व नहीं देना, जैसे मोबाइल में सिम तो है पर नेटवर्क नहीं, सटीक कटाक्ष हैं।

• लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार
एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र (उपरोक्त दिए गए विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं)

कांवड़ यात्रा में 'पहलगाम'

कांवड़-यात्रा 11 जुलाई से आरंभ हो रही है। इन सालों में जो सांप्रदायिक तनाव दिखा है, नफरत महसूस की है, कमोबेश 10 साल पहले ऐसा माहौल नहीं था। हालांकि हिंदू-मुसलमान भारतीय राजनीति का शाश्वत भाव रहा है, लेकिन कांवड़-यात्रा के दौरान मुसलमान भी शिव-भक्तों की खूब सेवा करते दिखाई दिए हैं। शिविर लगाए जाते रहे हैं, भोजन परोसा जाता है, मीठा पानी पिलाया जाता है, शिव-भक्तों के जख्मों की प्राथमिक चिकित्सा भी की जाती रही है। फिर ऐसा क्या हो गया कि हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं की तुलना पहलगाम के हत्यारे आतंकियों से करने की नौबत आ गई? उप्र और उत्तराखंड सरकारों ने आदेश जारी किए हैं कि कांवड़-यात्रा के मार्ग के ढाबे, होटल, रेस्तरां, दुकानदार, खोमचेवाले स्पष्ट नामपट्टिका लगाएंगे। लाइसेंस नंबर भी दिखाएं और पहचान-पत्र रखें। यानी स्पष्ट होना चाहिए कि ढाबे, होटल का मालिक हिंदू है अथवा मुस्लिम है! यह व्यवस्था बीते साल भी लागू की गई थी, ताकि कांवड़ियों की आस्था और श्रद्धा खंडित न हो। हरिद्वार और ऋषिकेश तक की अक्सर नंगे पांव की यह यात्रा हिंदुओं का बड़ा धार्मिक आयोजन है। जुलाई, 2024 में सर्वोच्च अदालत ने अंतरिम आदेश के साथ सरकार के निर्देशों पर रोक लगा दी थी। शीर्ष अदालत का फैसला था कि नामपट्टिका लगाना जरूरी नहीं है। अलबत्ता यह साफ-साफ लिखा जाना चाहिए कि ढाबे में शाकाहार या मांसाहार क्या उपलब्ध है? कांवड़-यात्री अपने पर्व के अनुसार, शाकाहार वाला ढाबा चुन सकेगा। लेकिन अदालत के फैसले को ठेंगा दिखाते हुए उप्र और उत्तराखंड की भाजपा सरकारों ने इस साल फिर आदेश जारी कर दिए। उसकी आड़ में हिंदू संगठनों के कुछ स्वयंभू हुड़दंगी राष्ट्रीय राजमार्ग-58 पर स्थित एक ढाबे की जांच के लिए आ धमके। दलीलें दी गईं कि वह ढाबा मुस्लिम का था, लेकिन बोर्ड पर लिखा था-'पंडित का शुद्ध वैष्णो ढाबा।' यानी पहचान छिपाने का अपराध किया गया था। आरोप हैं कि हुड़दंगियों ने ढाबे के कर्मचारियों की पैंट उतरवा कर यह जांचने की कोशिश की कि वे हिंदू हैं या मुस्लिम हैं! विवाद यहीं से भड़का। समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन ने कहा कि इन और पहलगाम के आतंकियों में क्या फर्क है? दोनों तरह के आतंकियों ने धर्म की आड़ में कुकर्म किया।

फर्क सिर्फ इतना है कि पहलगाम के आतंकियों ने धर्म पूछ कर गोली मार दी और हिंदू पर्यटकों की हत्याएं कीं। कांवड़ियों के पैरोकारों ने पैंट ही उतरवाई थी। उस ढाबे पर यह घटना हुई अथवा उसे 'सांप्रदायिक मोड़' दे दिया गया, यह जांच पुलिस कर रही है। प्राथमिकी में 6 आरोपितों के नाम हैं। सभी हिंदूवादी संगठनों के बताए जा रहे हैं। इस घटना में एक स्वयंभू बाबा भी कूद पड़े हैं, जो उसी इलाके में योग-साधना सिखाते हैं। उन्होंने धमकी दी है कि यदि कोई केस बनाया गया, तो देश भर में आंदोलन छेड़ दिया जाएगा। बाबा ने पैंट उतारने की घटना को फर्जी करार दिया है। यहां बेहद गंभीर सवाल यह है कि क्या राज्य सरकारों की कानून-व्यवस्था बेलगाम और हिंदू दबंगइयों के हाथ है? उप्र देश का सबसे बड़ा राज्य है और राजनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील है। लोकसभा चुनाव में भाजपा को भारी झटका लगा था। उसके बाद भाजपा नेता ऑफ दि रिकॉर्ड कहते रहे हैं कि हम ऐसा हिंदू-मुसलमान करेंगे कि सब देखते रह जाएंगे। क्या वही राजनीति सामने आ रही है? बहरहाल पुलिस विशेषज्ञों का मानना है कि इलाके के ढाबों, होटलों और खोमचेवालों के नाम, पिता का नाम, मोबाइल, पता आदि का संपूर्ण डाटा 'बीट कांस्टेबल' के पास होता है। तो फिर जांच के लिए छापामारी करने को हिंदू दबंगइयों को किसने निर्देश दिए थे? हरी झंडी दिखाई थी? यह हरकत आपराधिक और दंडनीय है, लेकिन माना जाता है कि ये कथित हिंदू हुड़दंगी एक निश्चित राजनीतिक संरक्षण में पलते रहे हैं।

टेक्नोलॉजी

दुनियाभर में 16 अरब पासवर्ड हुए लीक! भारत सरकार ने Apple, Google और Facebook यूज़र्स को दी चेतावनी

भारत की साइबर सुरक्षा एजेंसी CERT-In ने एक बड़ा अलर्ट जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि दुनियाभर में करीब 16 अरब से ज़्यादा पासवर्ड लीक हो चुके हैं.

भारत की साइबर सुरक्षा एजेंसी CERT-In ने एक बड़ा अलर्ट जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि दुनियाभर में करीब 16 अरब से ज़्यादा पासवर्ड लीक हो चुके हैं. यह अब तक की सबसे बड़ी डेटा लीक घटनाओं में से एक मानी जा रही है और इसका असर भारत के करोड़ों इंटरनेट यूज़र्स पर पड़ सकता है, खासतौर पर जो लोग Apple, Google, Facebook, Telegram, GitHub और VPN सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं.

लीक हुए डेटा की शुरुआत कहां से हुई? - CERT-In की रिपोर्ट के मुताबिक, लीक हुए ये पासवर्ड करीब 30 से ज़्यादा डेटा

डंप्स से जुटाए गए हैं, जिनका मुख्य स्रोत हैं. इंफो-स्टीलर मालवेयर जो यूज़र्स के कंप्यूटर या ब्राउज़र को संक्रमित करता है. गलत ढंग से कॉन्फ़िगर किए गए डेटाबेस, जैसे ओपन Elasticsearch सर्वर. इस लीक में केवल पासवर्ड ही नहीं, बल्कि निम्न जानकारियां भी शामिल हैं, यूज़रनेम और पासवर्ड, सेशन कुकीज़, ऑथेंटिकेशन टोकन, अकाउंट से जुड़ी मेटाडेटा जानकारी.

क्यों है यह खतरा बेहद गंभीर? - इस डेटा ब्रीच के चलते CERT-In ने चार बड़ी साइबर खतरों की आशंका जताई है:- क्रेडेंशियल स्टफिंग: हैकर एक ही पासवर्ड कई साइट्स पर आज़मा सकते हैं.

फिशिंग और सोशल इंजीनियरिंग: लीक हुई जानकारी का इस्तेमाल कर फर्जी लेकिन भरोसेमंद लगने वाले स्कैम किए जा सकते हैं.

अकाउंट टेकओवर: हैकर आपके बैंक, सोशल मीडिया या बिज़नेस अकाउंट को पूरी तरह कंट्रोल कर सकते हैं.

बिजनेस फ्रॉड और रैंसमवेयर अटैक: कंपनियों को निशाना बनाकर ठगी की जा सकती है.

खुद को कैसे सुरक्षित रखें? CERT-In की सलाह - CERT-In ने यूज़र्स को अपने डेटा को बचाने के लिए कुछ ज़रूरी उपाय अपनाने की सलाह दी है.

तुरंत अपने सभी महत्वपूर्ण अकाउंट्स के पासवर्ड बदलें, खासकर ईमेल, बैंकिंग और सोशल मीडिया के.

मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (MFA) चालू करें, ताकि पासवर्ड लीक होने के बाद भी कोई आसानी से लॉगिन न कर सके.

पासवर्ड मैनेजर का इस्तेमाल करें ताकि हर वेबसाइट के लिए मजबूत और अलग पासवर्ड बना सकें.

फिशिंग ईमेल से सतर्क रहें, खासकर वे जो सिक्योरिटी अलर्ट के बहाने पासवर्ड रीसेट कराने की कोशिश करते हैं

अभी सावधान हो जाइए - 16 अरब से अधिक पासवर्ड लीक हो चुके हैं, और यह घटना हर इंटरनेट यूज़र के लिए एक चेतावनी है. भले ही आपने अब तक कोई संदिग्ध गतिविधि न देखी हो, लेकिन अपनी डिजिटल सुरक्षा को मज़बूत करना अब ज़रूरी है. पासवर्ड बदलिए, MFA चालू कीजिए और अपने ऑनलाइन अकाउंट्स को सुरक्षित कीजिए.

जनरल नॉलेज

पॉलिटिकल पार्टी बनाकर भी अमेरिका के राष्ट्रपति नहीं बन पाएंगे एलन मस्क, जानिए क्या है ऐसा नियम?

एलन मस्क ने अमेरिका में नया राजनीतिक दल 'अमेरिका पार्टी' बनाने की घोषणा की है. ऐसे में इस बात की भी चर्चा तेज हो गई है कि क्या एलन मस्क अमेरिका का अगला राष्ट्रपति चुनाव लड़ सकते हैं?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उद्योगपति एलन मस्क के बीच विवाद इस कदर बढ़ गया है कि एलन मस्क पूरी तरह से अमेरिका की सक्रिय राजनीति में उतर आए हैं. यहां तक कि उन्होंने खुद की राजनीतिक पार्टी तक बना डाली है. उन्होंने इस राजनीतिक दल का नाम 'अमेरिकन पार्टी' रखा है. एलन मस्क ने नई पार्टी की घोषणा करते हुए रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा है कि यह नई पार्टी अमेरिका के दो-दलीय व्यवस्था के खिलाफ एक वैकल्पिक मंच होगा.

एलन मस्क ने नई पार्टी का एलान ऐसे समय में किया है जब कुछ दिन पहले ट्रंप ने उन्हें अमेरिका से बाहर निकालने की धमकी दे डाली थी. नई पार्टी के एलान के साथ ही इस बात की भी चर्चा तेज हो गई है कि क्या एलन मस्क अमेरिका का अगला राष्ट्रपति चुनाव लड़ सकते हैं? चलिए जानते हैं कि क्या मस्क अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव के रेस में खड़े हो सकते है? इसको लेकर अमेरिका संविधान में क्या व्यवस्था है?

क्या कहता है अमेरिका का संविधान - अमेरिका के संविधान के अनुसार, अमेरिका का राष्ट्रपति वही व्यक्ति बन सकता है, जिसका जन्म अमेरिका में हुआ हो. इसका साफ मतलब है कि ऐसा कोई भी व्यक्ति अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में खड़ा नहीं हो सकता है, जिसका जन्म अमेरिका से बाहर हुआ हो, चाहे उसके पास कई वर्षों से अमेरिका की नागरिकता ही क्यों न हो.

एलन मस्क क्यों नहीं बन सकते राष्ट्रपति? - अब सवाल है कि एलन मस्क अमेरिका के राष्ट्रपति क्यों नहीं बन सकते हैं? दरअसल, एलन मस्क का जन्म अमेरिका में नहीं हुआ है. उद्योगपति मस्क का जन्म दक्षिण अफ्रीका के प्रिटोरिया में हुआ था. यहां से वह पढ़ाई के लिए कनाडा शिफ्ट हुए थे. कनाडा में पढ़ाई के बाद वह अमेरिका आ गए और यहां की नागरिकता ले ली. तब से वह अमेरिका में ही रह रहे हैं. अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलन मस्क को अमेरिका से डिपोर्ट करने की धमकी इसी तथ्य को लेकर दी थी कि उन्होंने अमेरिका की नागरिकता हासिल करने के लिए फर्जीवाड़ा किया. दरअसल, एलन मस्क स्टूडेंट वीजा पर अमेरिका आए थे, लेकिन यहां आकर वे पढ़ाई पूरी करने के बजाय बिजनेस करने लगे थे, जो कि नियमों का उल्लंघन था.

बॉम्बे हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर

भारत की कोल्हापुरी चप्पल को लाखों में बेच कर फंसी इटली की प्राडा ब्रांड

नई दिल्ली। भारत की कोल्हापुरी चप्पल को लाखों रुपए में बेच कर मुनाफा कमा रही इटली की फैशन लक्जरी ब्रांड फंस गई है। कोल्हापुरी चप्पलों के अनधिकृत इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए प्राडा के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में प्राडा पर भारतीय कारीगरों के डिजाइन की नकल करने का आरोप लगाया है और प्राडा से कारीगरों को मुआवजा देने के आदेश की मांग की गई है।

» माफी मांगने व मुआवजा देने की मांग

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामला तब सुर्खियों में आया जब प्राडा ने हाल ही में अपने एक फैशन शो में अंगूठे वाली चप्पलों का कलेक्शन पेश किया। ऐसे एक जोड़ी चप्पल के लिए कंपनी ने एक लाख से सवा लाख रुपए तक कीमत वसूली। याचिका में कहा गया है कि प्राडा द्वारा प्रदर्शित चप्पलों का डिजाइन हूबहू कोल्हापुरी चप्पल से मिलता है। यह याचिका प्राडा समूह और महाराष्ट्र सरकार के कई अधिकारियों के खिलाफ दायर की गई है।

याचिका में प्राडा को बिना किसी अनुमति के इस चप्पल का व्यवसायीकरण और इस्तेमाल करने से रोके जाने की मांग की गई है। वहीं फैशन ब्रांड प्राडा को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और कोल्हापुरी चप्पलों के इस्तेमाल की बात स्वीकार करने का निर्देश दिए जाने की भी अपील की गई है। याचिका में कहा गया है कि कोल्हापुरी चप्पल पहले से ही कानून के तहत जीआई के रूप में संरक्षित है। जनहित याचिका में कहा गया है कि कोर्ट प्राडा द्वारा अनधिकृत जीआई उपयोग पर स्थायी रोक लगाने और कारीगरों के समुदाय को प्रतिष्ठा और आर्थिक नुकसान के लिए मुआवजा दिए जाने का आदेश दे। इसमें जीआई-पंजीकृत मालिकों और कारीगरों के समुदाय के अधिकारों का उल्लंघन करने के लिए प्राडा के खिलाफ जांच का अनुरोध किया गया है।

जनहित याचिका में कहा गया है कि प्राडा ने निजी तौर पर स्वीकार किया है कि उसका यह संग्रह भारतीय कारीगरों से प्रेरित है, लेकिन उसने अभी तक मूल कारीगरों से माफी नहीं मांगी या उन्हें मुआवजा नहीं दिया है। याचिका में कहा गया है कि निजी तौर पर स्वीकृति आलोचना से बचने का एक सतही प्रयास मात्र प्रतीत होता है। बता दें भारत में इस बात को लेकर विवाद बढ़ने के बाद प्राडा ने माना कि डिजाइन भारतीय हस्तनिर्मित चप्पल से 'प्रेरित' है। प्राडा ने कहा कि 'मेन्स 2026 फैशन शो' में जो सैंडल प्रदर्शित की गई वे अब भी डिजाइन चरण में हैं और रैंप पर मॉडलों द्वारा पहनी गई, किसी भी चप्पल के व्यावसायीकरण की पुष्टि नहीं हुई है।

बता दें कोल्हापुरी चप्पलें आमतौर पर महाराष्ट्र के कोल्हापुर, सांगली, सतारा और सोलापुर के आसपास के जिलों में हाथ से बनाई जाती हैं। भारत में कोल्हापुरी चप्पलों का निर्माण 12वीं या 13वीं शताब्दी से चल रहा है। मूल रूप से इस क्षेत्र के राजघरानों द्वारा संरक्षित कोल्हापुरी चप्पल स्थानीय मोची समुदाय द्वारा वनस्पति-टैन्ड चमड़े का उपयोग करके तैयार की जाती है और पूरी तरह से हाथ से बनाई जाती है। इसमें किसी कील या सिंथेटिक घटकों का इस्तेमाल नहीं किया जाता है।

ट्रंप के टैक्स पर भड़के मस्क ने बनाई राजनीतिक पार्टी

नाम दिया अमेरिका पार्टी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के साथ बढ़ते विवाद के बीच टेस्ला के सीईओ और अरबपति कारोबारी ईलॉन मस्क ने अमेरिका में एक नई राजनीतिक पार्टी लॉन्च कर दी है। इस पार्टी का नाम है- अमेरिका पार्टी। पार्टी का फोकस राजकोषीय घाटा कम करने, रेगुलेशन घटाने और फ्री ट्रेड को बढ़ावा देने के अलावा हाई-स्किल्ड इमिग्रेशन को समर्थन देने पर होगा। मस्क का यह कदम उस दिन के ठीक बाद आया है जब ट्रंप ने व्हाइट हाउस के बाहर बहु-खरब डॉलर के टैक्स कट और खर्च संबंधी बिल पर हस्ताक्षर किए। मस्क ने इस बिल की आलोचना करते हुए इसे 'आर्थिक रूप से गैर-जिम्मेदाराना' बताया था और कहा था कि यह सरकार के आकार को छोटा करने की साझा सोच के साथ धोखा है। मस्क का कहना है कि इस पार्टी का मकसद अमेरिका की मौजूदा राजनीति में बदलाव लाना है। उनका प्लान है कि पार्टी शुरूआत में सिर्फ 2-3 सीनेट सीटों और 8-10 हाउस सीटों पर फोकस करे, ताकि मामूली बहुमत वाले इन क्षेत्रों में पार्टी की भूमिका निर्णायक बन सके। मस्क ने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा, अगर हम सिर्फ 2-3 सीनेट सीटों और 8-10 हाउस जिलों पर ध्यान केंद्रित करें, तो इतने कम अंतर वाले नतीजों में हम निर्णायक वोट बन सकते हैं। इससे कानून जनता की असली इच्छा के अनुसार बनाए जा सकेंगे। मस्क ने इस नई पार्टी की घोषणा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की। उन्होंने बताया कि एक ऑनलाइन पोल में 65.4 प्रतिशत लोगों ने अमेरिका पार्टी शुरू करने के पक्ष में वोट दिया, जिसके बाद उन्होंने यह फैसला लिया। रविवार को मस्क ने अमेरिका पार्टी की घोषणा करते हुए कहा कि यह पार्टी अमेरिका की मौजूदा भ्रष्ट एक-दलीय व्यवस्था के खिलाफ एक विकल्प होगी। उन्होंने रिपब्लिकन और डेमोक्रेट—दोनों दलों पर सरकारी खर्च और भ्रष्टाचार के ज़रिये राष्ट्रीय कर्ज बढ़ाने का आरोप लगाया। मस्क ने एक्स पर लिखा, 2-1 के अंतर से आपने एक नई पार्टी चाही, और अब आपको वह मिलेगी। आज अमेरिका पार्टी बनी है ताकि आपको फिर से अपनी आज़ादी मिल सके। यह पार्टी खुद को रिपब्लिकन और डेमोक्रेट पार्टियों के बीच एक 'सेंटरिस्ट' यानी मध्यमार्गी विकल्प के रूप में पेश कर रही है। विश्लेषकों के मुताबिक, पार्टी का झुकाव 'नियो-लिबरल' और आर्थिक रूप से कंजर्वेटिव विचारधारा की ओर है।

एआई ने पुरुष के वीर्य में अदृश्य शुक्राणु खोज निकाले...फिर महिला हुई गर्भवती

तकनीक स्टार की मदद से गर्भवती होने का पहला मामला

वाशिंगटन। विज्ञान और तकनीक ने फिर असंभव को संभव किया है। अमेरिका के कोलंबिया यूनिवर्सिटी फर्टिलिटी सेंटर (सीयूएफसी) में एक दुर्लभ मेडिकल केस में, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से एक इसतरह के पुरुष के वीर्य में अदृश्य शुक्राणु खोज निकाले गए, जिसे डॉक्टरों ने वर्षों पहले अपूर्ण शुक्राणुता के कारण संतानोत्पत्ति में असमर्थ घोषित किया था। इस चमत्कारी खोज ने उस दंपती की जिंदगी बदल दी जो बीते 18 वर्षों से संतान के लिए संघर्ष कर रहे थे। दुनिया भर में यह पहला मामला है जिसमें महिला एआई तकनीक स्टार की मदद से गर्भवती हुई है। एजोस्पर्मिया एक गंभीर पुरुष प्रजनन समस्या है जिसमें पुरुष के वीर्य में कोई मापने योग्य शुक्राणु नहीं होता। आमतौर पर इसतरह के मामलों में आईवीएफ तकनीक भी असफल हो जाती है, क्योंकि निषेचन के लिए शुक्राणु ही नहीं मिलते। सीयूएफसी के वैज्ञानिकों ने इस केस मेंशुक्राणु ट्रैकिंग और रिकवरी (स्टार) नामक एक विशेष एआई-आधारित प्रणाली का उपयोग किया। यह तकनीक माइक्रोस्कोपिक स्तर पर शुक्राणुओं की गतिविधि का पता लगाने में सक्षम है, ऐसी गतिविधियाँ जिन्हें इंसानी आंखों से देख पाना असंभव होता है। इन्हीं शुक्राणुओं को प्रयोगशाला में पत्नी के अंडाणुओं के साथ मिलाकर आईवीएफ प्रक्रिया को अंजाम दिया गया। यह महिला अब दुनिया की पहली महिला बन गई हैं जो एआई-आधारित स्टार तकनीक से गर्भवती हुई हैं। प्रजनन विशेषज्ञों का मानना है कि यह खोज भविष्य में लाखों उन दंपतियों के लिए आशा की किरण हो सकती है जो एजोस्पर्मिया जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। डॉ. एलिज़ाबेथ मार्क्स, जो तकनीक पर शोध से जुड़ी रही हैं ने कहा, स्टार तकनीक प्रजनन विज्ञान में एआई की क्रांतिकारी क्षमता का प्रमाण है। यह टेक्नोलॉजी उन मामलों में भी समाधान दे सकती है जहां पहले केवल निराशा मिलती थी।

चैलेंजेस फॉर फाइनेंसिंग सस्टेनेबल डेवलपमेंट फॉर द ग्लोबल साउथ विषय पर फ्लैगशिप गवर्नर्स सेमिनार

भारत ने दिखाया पैमाना और गति एक साथ चल सकते हैं: वित्त मंत्री

रियो डी जेनेरियो। भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत एक अग्रणी उभरती अर्थव्यवस्था और वैश्विक स्तर पर प्रभाव पैदा करने वाले देश के रूप में अपनी दोहरी भूमिका के साथ अपनी आकांक्षाओं को साझा करने वाले सभी लोगों के लिए परिवर्तन का नेतृत्व करते हुए मजबूत स्थिति में है। सीतारमण आधिकारिक यात्रा के दौरान चैलेंजेस फॉर फाइनेंसिंग सस्टेनेबल डेवलपमेंट फॉर द ग्लोबल साउथ विषय पर फ्लैगशिप गवर्नर्स सेमिनार को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि ग्लोबल साउथ में सस्टेनेबल डेवलपमेंट को वित्तपोषित करना केवल धन जुटाने के बारे में नहीं है, यह निष्पक्षता, विश्वास और

नेतृत्व का निर्माण करने से भी जुड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए, लाखों लोगों के लिए आवास, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आजीविका तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विकास में तेजी लाना जरुरी है। साथ ही, हीटवेव, वॉटर स्ट्रेस और एक्ट्रीम वेदर की घटनाओं जैसे जलवायु संबंधी जोखिम भी बढ़ रहे हैं। भारत नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन और प्रांत-स्तरीय जलवायु कार्रवाई योजनाओं जैसी पहलों के जरिए उन्हें इंटीग्रेट करने के लिए तेजी से काम कर रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि वास्तविक चुनौती डेवलपमेंट और सस्टेनेबिलिटी के बीच चयन करना नहीं है, बल्कि खास तौर पर उभरते बाजारों और विकासशील देशों के साथ साझेदारी में ऐसी नीतियां तैयार करना है, जो समावेशी विकास को बढ़ावा दें और सस्टेनेबल डेवलपमेंट को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि जैसा कि हम 2030 के एजेंडे की ओर प्रयास कर रहे हैं, कोरोना महामारी के बाद विकासशील देशों में सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल (एसडीजी) के लिए वित्तपोषण का अंतर सालाना 4.2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है, जो महत्वाकांक्षा और वास्तविकता के बीच बढ़ते अंतर को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत एक अनोखे चौराहे पर खड़ा है।

इंडसइंड बैंक को इंडिया रेटिंग्स से राहत लेकिन निगेटिव आउटलुक बरकरार

नई दिल्ली। इंडिया रेटिंग्स ने निजी क्षेत्र के इंडसइंड बैंक को रेटिंग वॉच विद नेगेटिव इंप्लीकेशंस दर्जे से हटा दिया है व ऋणदाता के डेट इंस्ट्रूमेंट के लिए 'एए प्लस' रेटिंग की पुष्टि की है। रेटिंग एजेंसी ने इन इंस्ट्रूमेंट्स पर नकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखा है, जो वित्त वर्ष 2025 में बैंक द्वारा कुल 4,920 करोड़ रुपये की कई अकाउंटिंग विसंगतियों और कमजोर आंतरिक नियंत्रण की रिपोर्टिंग से उत्पन्न चिंताओं को दर्शाता है। इंडिया रेटिंग्स ने 20 मार्च, 2025 को डेट इंस्ट्रूमेंट्स को 'रेटिंग वॉच विथ नेगेटिव इंप्लीकेशंस' पर रखा था, क्योंकि बैंक ने अपने डेरिवेटिव खाते की बैलेंस पोर्टफोलियो में विसंगतियों और इसकी कुल संपत्ति पर इसके प्रतिकूल प्रभाव के बारे में खुलासे किए थे। वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही के परिणाम घोषित करते हुए बैंक प्रबंधन ने कहा था कि उसने अनियमितताओं के लिए सक्रियता से वृद्धिशील प्रावधान किए हैं और कॉर्पोरेट बुक में रन-डाउन से 62,000 करोड़ रुपये नकदी का प्रावधन किया गया है। इससे तत्काल कोई कम अवधि के लिए नकदी की जरूरत नहीं होगी, लेकिन फ्रैंचाइज की स्थिरता को लेकर निकट से लेकर मध्यावधि तक चिंता जारी रहेगी।

डीप टेक स्टार्टअप्स को मिलेगा नया बूस्ट : गोयल

सरकार ने फंड ऑफ फंड्स में जोड़े 10 हजार करोड़

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बेंगलुरु में घोषणा की कि सरकार ने डीप टेक रिसर्च और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए 'फंड ऑफ फंड्स' स्कीम के तहत 10,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि मंजूर की है। उन्होंने बताया कि पिछली बार बजट में दी गई इतनी ही राशि पहले ही उपयोग की जा चुकी है। नई फंडिंग का बड़ा हिस्सा डीप टेक क्षेत्र को समर्पित किया जाएगा, जिससे देश में नई तकनीकों के विकास और नवाचार को बल मिलेगा। गोयल ने बताया कि इस फंड के लिए दिशानिर्देश तैयार किए जा रहे हैं, जिससे स्टार्टअप्स को रिसर्च और टेक्नोलॉजी

के क्षेत्र में स्पष्ट मार्गदर्शन मिलेगा। इसी के साथ, भारत के स्टार्टअप पॉलिसी फोरम ने एक नई पहल की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य देश के 100 शीर्ष डीप टेक स्टार्टअप्स की पहचान कर उन्हें नीति निर्माण और तकनीकी चर्चाओं में शामिल करना है। यह कार्यक्रम स्टार्टअप इंडिया, मेटी स्टार्टअप हब और आईआईटी मद्रास के सहयोग से चलाया जा रहा है। इस पहल के तहत एक मेंटर बोर्ड भी बनाया गया है, जिसमें विशेषज्ञ, निवेशक और नीति निर्माता शामिल हैं। चयनित स्टार्टअप्स के अनुभवों और चर्चाओं के आधार पर एक व्हाइट पेपर तैयार किया जाएगा, जिसमें नीति संबंधी सुझाव होंगे।

श्रावणी मेला में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे चलाएगा स्पेशल ट्रेनें

» यात्रियों की संख्या अधिक होने के बावजूद उन्हें उचित सुविधा मिल सकेगी

पटना। श्रावण मास में देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम में दर्शन करने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधाओं का ध्यान में रखते हुए रेलवे ने विशेष तैयारी की है। भारतीय रेलवे ने स्पेशल ट्रेनों का संचालन, अतिरिक्त कोचों की व्यवस्था और जसीडीह स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव में बदलाव भी किया है, जिससे यात्रियों की संख्या अधिक होने के बावजूद उन्हें उचित सुविधा मिल सके। रेलवे ने स्पेशल ट्रेनें और उनका टाइम टेबल जारी किया है, जिसके मुताबिक यहां संक्षिप्त जानकारी दी जा रही है। यहां बताते चलें कि राजधानी एक्सप्रेस, वंदे भारत, दूरंतो, जनशताब्दी, पूर्वा, गरीब रथ और हमसफर जैसी ट्रेनों के ठहराव में कोई बदलाव नहीं किया गया है। जानकारी अनुसार रेलवे द्वारा जारी टाइम टेबल के अनुसार-

1. जयनगर-आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन (05597/05598)

चलने की अवधि: 11 जुलाई से 8 अगस्त 2025

फ्रीक्वेंसी: सप्ताह में 3 दिन (मंगलवार, शुक्रवार, रविवार)

05597 (जयनगर- आसनसोल):

रात 10:00 बजे जयनगर से प्रस्थान- सुबह 9:05 बजे जसीडीह पहुंचना- 11:30 बजे आसनसोल आगमन

05598 (आसनसोल- जयनगर):

बुधवार, शनिवार, सोमवार को दोपहर 1:00 बजे प्रस्थान अगले दिन सुबह 4:20 बजे जयनगर आगमन

2. रक्सौल-देवघर श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन (05545/05546)

चलने की अवधि: 13 जुलाई से 8 अगस्त 2025

फ्रीक्वेंसी: रविवार, मंगलवार, शुक्रवार

05545 (रक्सौल- देवघर):

सुबह 5:15 बजे प्रस्थान- शाम 4:50 बजे देवघर पहुंचना

05546 (देवघर- रक्सौल):

शाम 5:50 बजे प्रस्थान- अगले दिन सुबह 6:00 बजे रक्सौल आगमन

रूट: सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, बरौनी, मोकामा, किउल, जमालपुर, भागलपुर

जसीडीह स्टेशन पर ट्रेनों का ठहराव बदला गया

श्रावणी मेला के दौरान कई ट्रेनों का ठहराव 5 मिनट कर दिया गया है, जिससे श्रद्धालुओं को उतरने और चढ़ने में आसानी हो।

इन ट्रेनों में जोड़े जाएंगे अतिरिक्त कोच-

3021/13022हावड़ा-रक्सौल मिथिला एक्सप्रेस

13029/13030 हावड़ा-मोकामा एक्सप्रेस

13185/13186 हावड़ा-जयनगर गंगा सागर एक्सप्रेस

13105/13106 सियालदह-बलिया एक्सप्रेस

भारत का खिलौना उद्योग अब घरेलू स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग कर रहा है

» सरकार खिलौना क्षेत्र के लिए एक नई प्रोत्साहन योजना शुरू करने की तैयारी में

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि कभी आयात पर निर्भर रहने वाला भारत का खिलौना उद्योग अब घरेलू स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग कर रहा है और 153 देशों को निर्यात कर रहा है। हाल ही में 16वें टॉय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो 2025 को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि यह बदलाव लगातार नीतिगत समर्थन, गुणवत्ता मानकों के प्रवर्तन और लोकल मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर को मजबूत करने के माध्यम से संभव हुआ है। गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के कार्यान्वयन ने भारत को गुणवत्ता के प्रति जागरूक देश बनाने में मदद की है और घरेलू खिलौना निर्माताओं को वैश्विक मानदंडों को पूरा करने में सक्षम बनाया है। भारत की 1.4 बिलियन की आबादी एक विशाल कैप्टिव बाजार प्रदान करती है, जो मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने के लिए एक स्वाभाविक लाभ पैदा करती है। इस पैमाने के साथ, उद्योग लागत दक्षता प्राप्त कर सकता है और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बन सकता है। उन्होंने कहा कि बड़ा घरेलू बाजार न केवल विस्तार का समर्थन करता है बल्कि अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए आधार का काम भी करता है। सरकार खिलौना क्षेत्र के लिए एक नई प्रोत्साहन योजना शुरू करने की तैयारी में है। इस योजना का उद्देश्य भारतीय खिलौना निर्माताओं की डिजाइन क्षमताओं को बढ़ाकर, गुणवत्तापूर्ण मैन्युफैक्चरिंग सुनिश्चित कर, पैकेजिंग मजबूत कर और ब्रांड निर्माण को समर्थन देकर उन्हें विश्व स्तरीय बनने में मदद करना है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने वैश्विक बाजार में आगे आने के लिए उद्योग को अच्छी ब्रांडिंग, आकर्षक पैकेजिंग और मजबूत उत्पाद डिजाइन पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को दूसरे टेस्ट में 133 रन से हराया, सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की

नई दिल्ली, एजेंसी | ऑस्ट्रेलिया ने स्टीव स्मिथ (71) और कैमरन ग्रीन (52) के अर्धशतकों की मदद से अपनी दूसरी पारी में 243 रन बनाकर वेस्टइंडीज के सामने 277 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में विंडीज टीम 143 रन ही बना सकी।

एक तरफ जहां भारत ने इंग्लैंड को एजबेस्टन में हरा दिया, वहीं दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को दूसरे टेस्ट के चौथे दिन ही 133 रन से हराकर सीरीज अपने नाम की। इस तरह से कंगारुओं ने फ्रैंक वॉरेल ट्रॉफी अपने पास बरकरार रखी। ऑस्ट्रेलिया ने चौथे दिन वेस्टइंडीज को 34.3 ओवर में 143 रन पर आउट कर तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। तीसरा और आखिरी टेस्ट मैच शनिवार से किंग्स्टन, जमैका में शुरू होगा। यह डे-नाइट टेस्ट मैच होगा।

ऑस्ट्रेलिया ने दिया था 277 रन का लक्ष्य - ऑस्ट्रेलिया ने स्टीव स्मिथ (71) और कैमरन ग्रीन (52) के अर्धशतकों की मदद से अपनी दूसरी पारी में 243 रन बनाकर वेस्टइंडीज के सामने 277 रन का लक्ष्य रखा था। वेस्टइंडीज की तरफ से शमर जोसेफ ने 66 रन देकर चार विकेट लिए। वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसका स्कोर जल्द ही चार विकेट पर 33 रन हो गया। उसकी टीम इससे उबर नहीं पाई और मैच दोपहर के सत्र में ही समाप्त हो गया।

स्टार्क ने सबसे ज्यादा तीन विकेट चटकाए - ऑस्ट्रेलिया की तरफ से बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने आठ ओवर में 24 रन देकर तीन विकेट चटकाए। जोश हेजलवुड ने दो विकेट लिए और ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने 5.3 ओवर में 42 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। मैच में छह विकेट लेने वाले लियोन ऑस्ट्रेलिया की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर काबिज ग्लेन मैक्ग्रा की बराबरी करने से अब केवल एक विकेट दूर हैं।

मैक्ग्रा की बराबरी करने से एक विकेट दूर लियोन - लियोन ने 2011 से अब तक 139 टेस्ट मैचों में 562 विकेट लिए हैं। मैक्ग्रा ने 1993-2007 तक 124 टेस्ट मैचों में 563 विकेट लिए थे। महान लेग स्पिनर शेन वॉर्न 1992-2007 तक 145 टेस्ट मैचों में 708 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई सूची में शीर्ष पर हैं। वेस्टइंडीज की तरफ से दूसरी पारी में कप्तान रोस्टन चेज ने सबसे ज्यादा 34 रन बनाए, लेकिन स्टार्क की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। शमर जोसेफ ने तीन छक्कों की मदद से 24 रन का योगदान दिया।

वियान मुल्डर ने तिहरा शतक जड़कर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, ऐसा करने वाले दुनिया के पहले कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी | साउथ अफ्रीका के कप्तान वियान मुल्डर ने ज़िम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट में ट्रिपल सेंचुरी जड़कर इतिहास रच दिया. उन्होंने इस पारी में कई रिकॉर्ड बनाए.

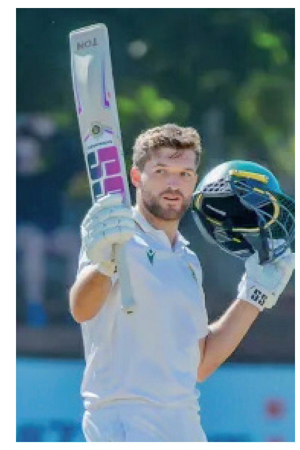

ज़िम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में वियान मुल्डर ने ट्रिपल सेंचुरी जड़कर इतिहास रच दिया. उन्होंने सोमवार को टेस्ट के दूसरे दिन 297 गेंदों में ट्रिपल सेंचुरी पूरी की, ये टेस्ट क्रिकेट का दूसरा सबसे तेज तिहरा शतक है. वह साउथ अफ्रीका के लिए एक पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं.

वियान मुल्डर दुनिया के पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने बतौर कप्तान अपने पहले टेस्ट में ट्रिपल सेंचुरी लगाई हो. बता दें कि तेम्बा बावुमा ज़िम्बाब्वे के खिलाफ इस सीरीज का हिस्सा नहीं हैं, वह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में चोटिल हो गए थे. उनकी जगह केशव महाराज कप्तान नियुक्त हुए थे, जो चोट के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए. महाराज की जगह दूसरे टेस्ट में मुल्डर कमान संभाले हुए हैं और कप्तान के रूप में पहली ही पारी में उन्होंने ये रिकॉर्ड बना दिया.

दूसरी सबसे तेज ट्रिपल सेंचुरी - ये टेस्ट इतिहास में दूसरी सबसे तेज ट्रिपल सेंचुरी है. पहले नंबर पर वीरेंद्र सहवाग हैं, जिनके वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ने के वियान मुल्डर बहुत करीब आ गए थे. सहवाग ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2008 में 278 गेंदों पर ट्रिपल सेंचुरी जड़ी थी, जो पहले नंबर पर है.

297 गेंदों पर ट्रिपल सेंचुरी लगाने वाले मुल्डर दूसरे नंबर पर काबिज हो गए हैं, जबकि पहले यहां हैरी ब्रूक मौजूद थे. उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले साल 310 गेंदों में ये तिहरा शतक जड़ा था.

तोड़ा हाशिम आमला का रिकॉर्ड - वियान मुल्डर साउथ अफ्रीका के लिए टेस्ट में सबसे अधिक रनों की पारी खेलने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं, उन्होंने 13 साल पहले बनाए हाशिम आमला के रिकॉर्ड को ध्वस्त किया. हाशिम ने 2012 में 311 रनों की पारी खेली थी, इससे पहले वह इस टीम के लिए सबसे अधिक रनों की पारी खेलने वाले बल्लेबाज थे लेकिन मुल्डर ने ये रिकॉर्ड तोड़ दिया.

रिटायर होकर वापस आया अब डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टार फिर ले रहा रिटायरमेंट

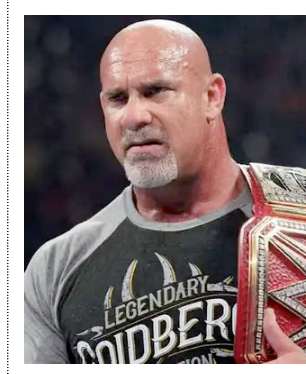

WWE हॉल ऑफ फेमर गोल्डबर्ग 12 जुलाई को गुंथर के खिलाफ सैटरडे नाइट मेन इवेंट में अपने शानदार करियर का अंतिम मैच खेलेंगे। 2018 में हॉल ऑफ फेम में शामिल होने के बाद, यह मुकाबला उनके इन-रिंग करियर का समापन होगा।

नई दिल्ली, एजेंसी : WWE हॉल ऑफ फेमर गोल्डबर्ग अपने इन-रिंग करियर का समापन करने के लिए तैयार हैं, जब वह 12 जुलाई को सैटरडे नाइट मेन इवेंट में गुंथर का सामना करेंगे। यह उनके करियर का अंतिम मैच होगा, जिससे उनके शानदार लेकिन कभी-कभार रुक-रुक कर चलने वाले इन-रिंग करियर का अंत हो जाएगा।

गोल्डबर्ग को 2018 में WWE हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया था, जिसके बाद उन्होंने संन्यास की घोषणा की थी। हालांकि, उन्होंने 2019 में द अंडरटेकर के खिलाफ रिंग में वापसी की और 2022 तक कई मौकों पर मुकाबला किया। उनका आखिरी मैच 2022 के एलिमिनेशन चैंबर में रोमन रेंस के खिलाफ था, जहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद वह लगभग तीन साल तक WWE से दूर रहे। ऐसा लग रहा मनों उन्हें शाहिद अफरीदी वाली लत लगी हुई है। अफरीदी भी क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वापसी करने में माहिर हैं।

किसे मिलेगी जीत - उनकी वापसी तब हुई जब गुंथर ने जे उसो को हराकर वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियनशिप जीती। एक हफ्ते बाद ही गोल्डबर्ग ने WWE में वापसी करते हुए गुंथर को चुनौती दी, जिससे उनके विदाई मैच की पुष्टि हुई। 12 जुलाई को यह मुकाबला AEW के 'ऑल इन' इवेंट के साथ होगा, और गोल्डबर्ग की वापसी से WWE को निश्चित रूप से प्रतिद्वंद्वी प्रमोशन पर बढ़त मिल सकती है। चूंकि गोल्डबर्ग WWE से जा रहे हैं, ऐसी अटकलें हैं कि वह गुंथर से हार जाएंगे। हालांकि, अगर WWE उन्हें एक और टाइटल रन देना चाहता है, तो उनका एक और मैच हो सकता है, लेकिन इसकी संभावना कम लगती है।

अंतिम विदाई और फैंस की उम्मीदें - अब गोल्डबर्ग अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं। गुंथर एक दुर्जेय प्रतिद्वंद्वी हैं जिन्होंने कम समय में अपनी पहचान बनाई है और गोल्डबर्ग के लिए उन्हें हराना आसान नहीं होगा। फैंस को उम्मीद है कि गोल्डबर्ग अपने विदाई मैच में शानदार प्रदर्शन करेंगे और एक यादगार जीत के साथ अपने करियर को अलविदा कहेंगे।

गोल्डबर्ग ने ब्रॉक लेसनर, द अंडरटेकर और रोमन रेंस जैसे दिग्गजों का सामना किया है और उनका नाम हमेशा WWE के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में अंकित रहेगा। गोल्डबर्ग ने कहा है कि वह अपने फैंस के लिए एक आखिरी बार रिंग में उतर रहे हैं और इसे यादगार बनाना चाहते हैं। 12 जुलाई को यह देखना दिलचस्प होगा कि गोल्डबर्ग गुंथर को हरा पाते हैं या नहीं, लेकिन यह तय है कि यह मैच उनके फैंस के लिए एक अविस्मरणीय क्षण होगा।

कौन हैं आईसीसी के नए सीईओ संजोग गुप्ता, 2500 उम्मीदवारों में से हुआ सिलेक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी | आईसीसी ने संजोग गुप्ता को सीईओ नियुक्त किया. संजोग ने आज (7 जुलाई) से अपना कार्यभार संभाल लिया है. जानिए संजोग गुप्ता कौन हैं?

आईसीसी ने संजोग गुप्ता को मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की. संजोग वैश्विक मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में जाना माना चेहरा हैं. उन्होंने आज, 7 जुलाई से अपना कार्यभार संभाल लिया है. वह आईसीसी इतिहास के 7वें सीईओ हैं. उनकी नियुक्ति पर आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा, ‘संजोग के पास खेल रणनीति और व्यावसायीकरण का व्यापक अनुभव है, जो ICC के लिए अमूल्य होगा.‘

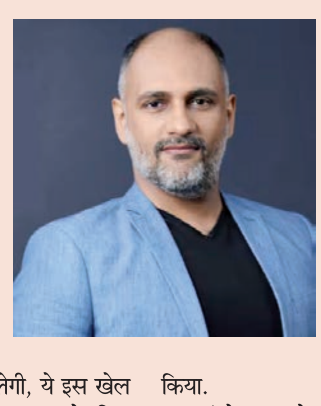

संजोग की नियुक्ति ऐसे समय हुई है जब क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल किया गया है. उनका भी मानना है कि ओलंपिक में शामिल होने से क्रिकेट को वैश्विक स्तर पर और प्रसिद्धि मिलेगी, ये इस खेल के लिए अच्छी बात है. इस पद के लिए 25 देशों से 2,500 से ज्यादा आवेदन आए थे. ICC की एचआर और रेम्यूनरेशन कमेटी ने 12 उम्मीदवारों को सेलेक्ट किया. इस पद के लिए अंतिम चयन नॉमिनेशन कमेटी ने किया. बोर्ड ने सभी की सहमति से संजोग गुप्ता को नया सीईओ नियुक्त किया.

संजोग गुप्ता ने क्या कहा - नियुक्ति पर संजोग ने कहा, ‘यह अवसर पाना सौभाग्य की बात है, खासकर ऐसे समय में जब क्रिकेट अभूतपूर्व विकास के लिए तैयार है और दुनिया भर में लगभग 2 बिलियन प्रशंसकों का समर्थन प्राप्त है. खेल के लिए यह रोमांचक समय है क्योंकि प्रमुख आयोजनों का कद बढ़ रहा है, व्यावसायिक रास्ते बढ़ रहे हैं और महिलाओं के खेल जैसे अवसर लोकप्रियता के पैमाने पर बढ़ रहे हैं. लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट का शामिल होना दुनिया में क्रिकेट को और ऊंचाई पर ले जाएगा. मैं क्रिकेट के विकास के अगले चरण में योगदान देने, इसके वैश्विक पदचिह्न का विस्तार करने, प्रशंसक अनुभव को बढ़ाने और हमारी मजबूत नींव पर निर्माण करने के लिए ICC सदस्य बोर्डों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं.‘

कौन हैं संजोग गुप्ता? - इससे पहले संजोग जियो स्टार में स्पोर्ट्स एंड एक्सपीरियंस के सीईओ थे. उन्हें इस क्षेत्र में 20 साल से ज्यादा का अनुभव है. वह पत्रकार रह चुके हैं. 2004 में वह स्टार न्यूज इंडिया से जुड़े थे. इसके बाद उन्होंने कई मीडिया संस्थानों में काम किया. 2020 में वह डिज्नी स्टार के स्पोर्ट्स हेड बने, 2024 में डिज्नी स्टार और वाइकाम-18 के मर्ज होने के बाद वह जियो स्टार के सीईओ बने.

व्यापार

जीएमआर एयरो टेक्निक ने अकासा एयर के साथ किया तीन साल का रखरखाव समझौता

हैदराबाद,, एजेंसी | भारत की अग्रणी विमान ढांचा रखरखाव, मरम्मत एवं निरीक्षण (एमआरओ) संगठन जीएमआर एयरो टेक्निक ने अकासा एयर के साथ तीन साल का समझौता किया है। इसके तहत वह उसके बोइंग 737 मैक्स बेड़े का रखरखाव करेगा।

जीएमआर ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि समझौते के तहत जीएमआर एयरो टेक्निक यहां जीएमआर एयरोस्पेस एंड इंडस्ट्रियल पार्क के भीतर स्थित अपने अत्याधुनिक एमआरओ सुविधा में अकासा एयर के बेड़े का रखरखाव करेगा।

जीएमआर एयरो टेक्निक के अध्यक्ष अशोक गोपीनाथ ने कहा, ‘‘ हम अकासा एयर के साथ उनकी ‘सी चेक’ रखरखाव आवश्यकताओं के लिए यह साझेदारी करके खुश हैं। यह सहयोग दूरदर्शी विमानन कंपनियों के हमारी तकनीकी दक्षता, परिचालन अखंडता और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण पर विश्वास का प्रमाण है।’’

अकासा एयर के सह-संस्थापक और मुख्य परिचालन अधिकारी बेलसन कॉटिन्हो ने कहा, ‘‘ अकासा एयर में हम अपने बेड़े की सुरक्षा और विश्वसनीयता को अत्यधिक महत्व देते हैं। आधार रखरखाव के लिए जीएमआर एयरो टेक्निक के साथ साझेदारी करना उच्चतम तकनीकी मानकों को बनाए रखने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है..’’

जेन स्ट्रीट से जुड़ी चिंताओं पर बोले सेबी अध्यक्ष तुहिन कांत पांडेय, कहा- अपनी निगरानी बढ़ाएगा नियामक

नई दिल्ली, एजेंसी | भारतीय प्रतिभूति व विनियम बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने मुंबई में सोमवार को कहा कि जेन स्ट्रीट से जुड़ी हुई चिंताओं के बाद बोर्ड अपनी निगरानी प्रणाली को और मजबूत किया जाएगा साथ ही निगरानी बढ़ाई जाएगी। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने मुंबई में सोमवार को कहा कि जेन स्ट्रीट से जुड़ी हुई चिंताओं के बाद बोर्ड अपनी निगरानी प्रणाली को और मजबूत किया जाएगा साथ ही निगरानी बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा इस मामले पर सेबी तथा एक्सचेंजो दोनों स्तरों पर लगातार निगरानी की जाती रहेगी। पांडे ने सोमवार को डिपॉजिटरी सीडीएसएल और एनएसडीएल द्वारा विकसित प्रॉक्सी एडवाइजरी और ई-वोटिंग ऐप को लॉन्च किया। इसे अवसर पर उन्होंने कहा कि निगरानी को मजबूत करने के लिए निगरानी तंत्र को और उन्नत किया जाएगा और जिसमें निवेशकों को किसी भी तरह से नुकसान न हो सके।

पांडे ने बताया कि जेन स्ट्रीट जांच को औपचारिक रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है, साथ ही नियामक साप्तिक समाप्ति अनुबंधों से निवेशकों पर पड़ने वाले प्रभाव का भी आकलन कर रहा है और नए आंकड़ों के आधार पर भविष्य में फैसले लिए जाएंगे। उनकी यह टिप्पणी सेबी द्वारा शुक्रवार को जेन स्ट्रीट ग्रुप की संस्थाओं द्वारा अवैध रूप से लाभ कमाने जिसमें 4,843.57 करोड़ रुपये जब्त करने के निर्देश के बाद आई है।

एफएंडओ एक्सपासरी पर टिप्पणी करते हुए पांडे ने कहा कि सेबी पिछले तीन महीनों में बाजार की गतिविधि पर एक श्रेव्त पत्र जारी करने की तैयारी कर रहा है, संभवत आज या कल तक इस पर घोषणा हो सकती है। उम्मीद कि जा रही है कि इस साप्ताहिक और मासिक एक्सपायरी अनुबंधों के बीच में निवेशकों के नुकसान की तुलना की जाएगी और इसमें आयु वर्ग के अनुसार विभाजित डेटा शामिल होगा।

स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग स्पेसेज का आईपीओ 10 जुलाई को खुलेगा, मूल्य दायरा 387-407 रुपये प्रति शेयर

मुंबई, एजेंसी | स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग स्पेसेज ने अपने आईपीओ के आकार में कटौती की है। नए निर्गम को 550 करोड़ रुपये से घटाकर 445 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जबकि ब्रिक्री पेशकश (ओएफएस) को 67.59 लाख शेयर से घटाकर 33.79 लाख शेयर कर दिया गया है।

स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग स्पेसेज लिमिटेड ने अपने 583 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 387-407 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि आईपीओ 10 जुलाई को खुलेगा और 14 जुलाई का संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक नौ जुलाई को बोली लगा पाएंगे।

स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग स्पेसेज ने अपने आईपीओ के आकार में कटौती की है। नए निर्गम को 550 करोड़ रुपये से घटाकर 445 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जबकि ब्रिक्री पेशकश (ओएफएस) को 67.59 लाख शेयर से घटाकर 33.79 लाख शेयर कर दिया गया है। इससे इसका कुल आकार 583 करोड़ रुपये बैठता है। स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग स्पेसेस लिमिटेड एक प्रमुख सह-कार्यस्थल प्रदाता कंपनी है। यह बेंगलुरु, मुंबई महानगर क्षेत्र, हैदराबाद, गुरुग्राम और चेन्नई जैसे शहरों में काम कर रही है।

उतार-चढ़ाव के बाद मामूली बढ़त के साथ शेयर बाजार बंद; सेंसेक्स नौ अंक चढ़ा, निफ्टी 25400 के पार

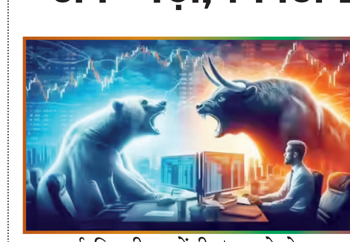

नई दिल्ली, एजेंसी | हफ्ते के पहले कारोबारी दिन भारतीय बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 9.61 अंक उछलकर 83,442.50 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 0.30 अंक बढ़कर 25,461.30 अंक पर आ गया।

सोमवार को बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी अत्यधिक उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में लगभग अपरिवर्तित बंद हुए। अमेरिकी टैरिफ की 9 जुलाई की समयसीमा से पहले सतर्कता, एशियाई बाजारों में कमजोर रुख और विदेशी फंडों की निकासी ने बाजार पर असर डाला। सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 48 पैसे गिरकर 85.88 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 9.61 अंक या 0.01 प्रतिशत बढ़कर 83,442.50 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सूचकांक 83,516.82 के उच्च और 83,262.23 के निम्न स्तर के बीच घूमता रहा। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 0.30 अंक या 0 प्रतिशत बढ़कर 25,461.30 अंक पर पहुंच गया।

भारतीय सामानों पर 26% अतिरिक्त टैरिफ - विशेषज्ञों ने कहा कि अमेरिका-भारत व्यापार समझौते को लेकर चिंताओं के बीच बाजार में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। 9 जुलाई को भारत समेत दर्जनों देशों पर लगाए गए ट्रंप टैरिफ की 90 दिन की निलंबन अवधि खत्म हो रही है। अमेरिका में प्रवेश करने वाले भारतीय सामानों पर 26 प्रतिशत का अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने की घोषणा की गई है।

सपाट स्तर पर बंद हुआ बाजार - आशिका इंस्टीट्यूशनल इक्विटी के तकनीकी एवं डेरिवेटिव विश्लेषक सुन्दर केवट ने कहा कि सोमवार को भारतीय शेयर बाजार सपाट स्तर पर बंद हुआ। बेंचमार्क निफ्टी 25,450 पर खुला और दिन के कारोबार में 25,407 का न्यूनतम स्तर और 25,489 का उच्चतम स्तर छू गया। पूरे सत्र के दौरान सूचकांक मोटे तौर पर सीमित दायरे में कारोबार करता रहा। निवेशक आक्रामक रुख अपनाने में अनिच्छुक दिखे, जिससे व्यापक सूचकांक सीमित दायरे में रहा।

क्या रहा सेंसेक्स कंपनियों का हाल? - सेंसेक्स की कंपनियों में हिंदुस्तान यूनिलीवर, कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स और आईटीसी लाभ में रहीं। वहीं भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति और इटरनल पिछड़ गए।

यूरोपीय बाजारों में रहा मिलाजुला रुख - एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 225 सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग नीचे बंद हुए जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक ऊपर बंद हुआ। यूरोपीय बाजारों में मिलाजुला रुख रहा। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 68.50 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा - वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.29 प्रतिशत बढ़कर 68.50 डॉलर प्रति बैरल हो गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 760.11 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची। शुक्रवार को सेंसेक्स 193.42 अंक या 0.23 प्रतिशत बढ़कर 83,432.89 पर बंद हुआ। निफ्टी 55.70 अंक या 0.22 प्रतिशत बढ़कर 25,461 पर बंद हुआ।

आखिर क्यों नोटों पर छपती है महात्मा गांधी की तस्वीर, आरबीआई ने कर दिया खुलासा

आजादी से पहले यानी कि अंग्रेजों के जमाने में भारतीय करेंसीज में उपनिवेशवाद और उससे जुड़े ऐतिहासिक और राजनीतिक संदर्भों की झलक मिलती थी.

मुंबई, एजेंसी |क्या आपने कभी इस बारे में सोच है कि भारतीय करेंसी पर महात्मा गांधी की ही तस्वीर क्यों है? भारत जैसे देश में महान शख्सियतों की कोई कमी नहीं है, लेकिन नोटों पर आज भी बापू की ही तस्वीर क्यों छपती है? इस जवाब अब खुद भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने दिया है.

रिजर्व बैंक ने कहा है, भारतीय रुपयों पर किसी मशहूर शख्सियत की तस्वीर लगाने के लिए रवींद्रनाथ टैगोर, मदर टेरेसा जैसे कई बड़े नामों पर विचार किया गया, लेकिन फिर महात्मा गांधी के नाम पर सहमति बनी. उसी सर्वसम्मति का ही नतीजा है कि लंबे समय से नोटों पर गांधीजी की तस्वीर है. इसका जिक्र RBI के कामकाज पर बनी एक डॉक्यूमेंट्री में किया गया है.

क्यों नही छपी नोटों पर किसी और की तस्वीर? रिजर्व बैंक ने आगे कहा, ''नोट पर अगर किसी मशहूर व्यक्ति की तस्वीर होती है, तो यह पहचानने में आसानी रहती है कि नोट असली है या नकली क्योंकि अगर नकली नोटों के डिजाइन अच्छे नहीं हैं, तो इन्हीं तस्वीरों की मदद से नोट असली है या नकली इससे पहचाना जा सकता है. भारत में नोटों के डिजाइन और सेफ्टी फेसिलिटीज को देखते हुए वैसे तो कई मशहूर हस्तियों की तस्वीर नोटों पर छप सकती थी. इसके लिए रवींद्रनाथ टैगोर, मदर टेरेसा और अबुल कलाम आजाद समेत कई मशहूर लोगों के नाम पर विचार किया गया, लेकिन अंत में महात्मा गांधी पर बात बनी.''

अंग्रेजों के जमाने में कैसे होते थे नोट? आजादी से पहले यानी कि अंग्रेजों के जमाने में भारतीय करेंसीज में उपनिवेशवाद और उससे जुड़े ऐतिहासिक और राजनीतिक संदर्भों की झलक मिलती थी. इसमें वनस्पतियों और जीवों (बाघ, हिरण) के चित्र होते थे. रुपये पर 'सज्जित हाथियों' और राजा के अलंकृत चित्रों के जरिए ब्रिटिश साम्राज्य की भव्यता को दर्शाया जाता था.

RBI के मुताबिक, लेकिन जब भारत आजाद हुआ तो रुपये पर छपी तस्वीरें भी धीरे-धीरे बदलने लगीं. शुरुआत में रुपये पर अशोक स्तंभ में शेर की तस्वीर, प्रसिद्ध स्थान आदि का इस्तेमाल किया जाता था. धीरे-धीरे भारत के विकास और प्रगति के साथ रुपया इन्हीं तस्वीरों के जरिए विकास की कहानी कहने लगा. विज्ञान के क्षेत्र में देश आगे बढ़ा, तो आर्यभट्ट और देश में हरित क्रांति की उपलब्धियों को दर्शाने के लिए खेती करने वाले किसानों की तस्वीर को नोटों पर खूबसूरती से उकेरा गया.

कब पहली बार नोटों पर छपी बापू की तस्वीर? भारतीय रिजर्व बैंक की वेबसाइट के मुताबिक, 2 अक्टूबर, 1969 को महात्मा गांधी के जन्मदिन के 100 साल पूरे होने के मौके पर एक पहली बार 100 रुपये का स्मारक नोट जारी किया गया था. इसमें सेवाग्राम आश्रम के साथ उनकी तस्वीर थी.

1987 से उनकी तस्वीर नियमित रूप से रुपये पर दिखाई देती रही है. उस साल अक्टूबर में गांधी की तस्वीर के साथ 500 रुपये के नोट जारी किए गए थे. 1996 में नए सिक्योरिटी फीचर्स के साथ महात्मा गांधी के नोटों की सीरीज शुरू की गई थी.

कहां देख सकते हैं यह डॉक्यमेंट्री? RBI ने एक डॉक्यूमेंट्री के जरिए यह भी बताया है कि वह प्रिंटिंग प्रेस से देश के कोने-कोने तक पैसे पहुंचाने के लिए ट्रेन, जलमार्ग, वायुमार्ग जैसे ट्रांसपोर्ट सिस्टम का इस्तेमाल करता है. यह पहली बार है जब आरबीआई की क्या भूमिका है, कैसे काम करता है, इसे डॉक्यूमेंट्री के तौर पर पेश किया गया है. इस डॉक्यूमेंट्री का नाम है 'RBI Unlocked: Beyond the Rupi'. इसे आप JioCinema पर देख सकते हैं.

41 करोड़ नेटवर्थ की खबर को अपूर्वा ने किया खारिज

लोकप्रिय कंटेंट क्रिएटर और द ट्रेटर्स की प्रतियोगी अपूर्वा मुखीजा, जिन्हें ऑनलाइन द रिबेल किड के नाम से जाना जाता है, ने वायरल रिपोर्ट्स पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें दावा किया गया है कि उनकी कुल संपत्ति 41 करोड़ रुपये है।अपने एक हालिया इंटरव्यू में, अपूर्वा ने दावों को खारिज कर दिया और अपनी वास्तविक कमाई पर एक रियलिटी चेक दिया। बॉलीवुड बबल के साथ एक स्पष्ट बातचीत के दौरान, अपूर्वा ने कहा, 卐मैं हर जगह हूँ, लेकिन मेरी कुल संपत्ति 41 करोड़ के करीब भी नहीं है। मैं इसका दसवां हिस्सा भी नहीं कमा रही हूँ, उन्होंने कहा कि उनकी माँ भी इन रिपोर्टों से हैरान हैं। 卐मेरी माँ ने मुझे एक स्क्रीनशॉट भेजा और पूछा, %कहाँ है ये सारे पैसे? हम घर क्यों नहीं खरीद रहे हैं?% मैंने उनसे पूछा कि क्या वह ठीक हैं। नहीं है हमारे पास इतने सारे पैसे,卐 अपूर्वा ने साझा किया।अपने हास्य और सच्ची ईमानदारी के लिए जानी जाने वाली अपूर्वा ने पीछे नहीं हटे। 卐कोई भी ब्रांड मुझे वह पैसा नहीं दे रहा है जो मैं चाहती हूँ। कोई भी मेरी दरों पर सहमत नहीं है। अगर किसी रैंडम पब्लिकेशन ने कहीं से भी मेरी नेटवर्थ के रूप में 41 करोड़ लिख दिया है तो मुझे क्या परवाह है। लोग क्या सोचते हैं?卐 बातचीत के दौरान अपने पहनावे की ओर इशारा करते हुए, उन्होंने मज़ाक में कहा, 卐ये कपड़े किराए के हैं, मुझे इन्हें इसके तुरंत बाद वापस करना होगा। मेरी एड़ियों को देखो, वे बहुत गंदे हैं, मैंने उन्हें कई दिनों से साफ़ नहीं किया है।क मेरे नाखून नकली हैं, घड़ी की कीमत 20,000 रुपये है, और यह मेरी सबसे महंगी चीज़ है। लेकिन 41 करोड़ रुपये पागलपन है। जिस क्षण मैं 10 करोड़ रुपये कमा लूँगा, मैं रिटायर हो जाऊँगा। कोई मुझे वहाँ ले जाए। मुझे पैसे दो।

मयूरी कांगो ने गूगल के लिए छोड़ी फिल्में

90 के दशक और 200 के दशक की शुरुआत में बॉलीवुड में कई कलाकार आए। कुछ ने शोहरत हासिल की, अविश्वसनीय ऊंचाइयों को छुआ, तो कुछ ने अपनी पहचान बनाने के बावजूद फिल्म इंडस्ट्री छोड़ दी। ऐसा ही एक नाम है 90 के दशक की यह अभिनेत्री, जिसने फिल्म इंडस्ट्री में शामिल होने के लिए अपना आईआईटी का मौका छोड़ दिया। हालांकि, सालों बाद, उसने चुपचाप फिल्में छोड़ दीं और कॉर्पोरेट जगत में शामिल हो गई।मयूरी ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 1995 में समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म नसीम से की, लेकिन असली पहचान उन्हें पापा कहते हैं (1996) और होगी प्यार की जीत (1999) से मिली।लगभग 16 फिल्मों में दिखाई देने के बावजूद, वह कथित तौर पर कई अन्य प्रोजेक्ट्स का हिस्सा थीं, जो कभी सिनेमाघरों में रिलीज नहीं हुई।उन्होंने अरशद वारसी, चंद्रचूड़ सिंह, अंजला जावेरी के साथ बेताबी (1997), बॉबी देओल और रानी मुखर्जी के साथ बादल (2000), अरबाज खान के साथ जंग, जीतेंगे हम (2001) और अजय देवगन के साथ होगी प्यार की जीत जैसी फिल्मों में अभिनय किया। वह गोविंदा, तब्बू और करिश्मा कपूर अभिनीत शिकारी (2000) का हिस्सा थीं।

विक्रांत ने दीपिका के 8 घंटे काम विवाद पर रखा अपना पक्ष

दीपिका पादुकोण के साथ 2020 की फिल्म छपाक में अभिनय करने वाले अभिनेता विक्रांत मैसी ने बॉलीवुड में काम के घंटों की सीमा को लेकर चल रही चर्चा पर अपना दृष्टिकोण साझा किया है।यह चर्चा उन खबरों के बाद हुई है, जिसमें बताया गया है कि दीपिका ने आठ घंटे की शिफ्ट की मांग के कारण संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित स्पिरिट से किनारा कर लिया है। विवाद तब शुरू हुआ, जब कई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि हाल ही में मां बनी दीपिका ने आठ घंटे का कार्य दिवस, निश्चित घंटे और विशिष्ट पारिश्रमिक शर्तों की मांग की – ऐसी शर्तें, जिनसे फिल्म निर्माता कथित तौर पर सहमत नहीं थे। स्पिरिट से बाहर निकलने के उनके फैसले ने इंडस्ट्री में कार्य-जीवन संतुलन को लेकर बहस छेड़ दी है, खासकर महिला अभिनेताओं और नई माताओं के लिए।

इस चर्चा के बीच, विक्रांत ने हाल ही में फर्स्टपोस्ट के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि वह भी एक ऐसे दिन का सपना देखते हैं, जब वह एक निश्चित शिफ्ट में काम कर सकें। विक्रांत ने कहा, शायद कुछ सालों में... मैं यह कहना चाहता हूं कि हम साथ मिलकर काम कर सकते हैं, लेकिन मैं केवल आठ घंटे काम करूंगा। लेकिन साथ ही, यह एक विकल्प भी होना चाहिए। निर्माताओं के सामने आने वाली वित्तीय और तार्किक चुनौतियों को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा, अगर मेरा निर्माता इसे समायोजित नहीं कर सकता है, क्योंकि जब आप कोई फिल्म बना रहे होते हैं तो उसमें कई अन्य चीजें भी शामिल होती हैं। पैसा बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और मुझे अपनी फीस कम करनी होगी क्योंकि मैं 12 घंटे नहीं बल्कि आठ घंटे काम करूंगा। विक्रांत ने आगे स्पष्ट किया, अगर मैं अपने निर्माता को दिन में 12 घंटे नहीं दे सकता, तो मैं वहां जाकर अपनी फीस कम नहीं कर सकता। मुझे अपनी फीस कम करनी चाहिए। यह एक लेन-देन वाली बात है।

मिर्जापुर की 'गोलू' ही नहीं, श्वेता त्रिपाठी के ये किरदार भी रहे हिट; दिखा जबरदस्त अभिनय

6 जुलाई 1985 को दिल्ली में जन्मीं श्वेता त्रिपाठी पहले एक्टिंग की दुनिया में नहीं आना चाहती थीं। वो एक वकील बनना चाहती थीं, जबकि उनके माता-पिता उन्हें आईएएस बनाना चाहते थे। उनके पिता खुद एक आईएएस हैं। लेकिन बाद में श्वेता फैशन इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाना चाहती थीं इसलिए उन्होंने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी में एडमिशन लिया। इसी दौरान श्वेता को एक्टिंग का कीड़ा लग गया और फिर वो मुंबई पहुंच गईं। यहां श्वेता की जर्नी आसान नहीं रही। काफी संघर्ष के बाद उन्हें 2011 में आई फिल्म 'त्रिषा' में एक छोटा रोल मिला। श्वेता नजर में आईं 2015 में आई सुपरहिट फिल्म 'मसान' से, इसमें उन्होंने विक्की कौशल की गर्लफ्रेंड शालू गुप्ता का किरदार निभाया था। इसके अलाव भी श्वेता ने कुछ एक फिल्मों व सीरीज में अहम किरदार निभाए हैं। जानते हैं श्वेता त्रिपाठी के प्रमुख किरदारों के बारे में।

गोलू गुप्ता (मिर्जापुर)

श्वेता त्रिपाठी को अगर किसी किरदार ने पहचान दिलाई है तो वो 'मिर्जापुर' वेब सीरीज का गोलू गुप्ता का किरदार है। सीरीज के पहले सीजन में टॉम बॉय रहने वाली गोलू गुप्ता तीसरा सीजन आते-आते गुड्डू भैया के साथ एक दमदार गैंगस्टर बन जाती हैं। गोलू का किरदार मिर्जापुर में सीजन दर सीजन मजबूत होता गया है। तीसरे सीजन में गोलू का किरदार सबसे प्रमुख और मजबूत नजर आया है। सीरीज के पहले सीजन में जहां श्वेता का मास्टरबेशन वाला सीन काफी चर्चा में रहा था, तो वहीं तीसरे सीजन में श्वेता के किरदार गोलू के डायलॉग काफी पसंद किए गए।

शालू गुप्ता (मसान)

श्वेता त्रिपाठी को पहली बार नोटिस किया गया था 2015 में आई विक्की कौशल, ऋचा चड्ढा और पंकज त्रिपाठी की फिल्म 'मसान' में। इस फिल्म में श्वेता ने विक्की कौशल की गर्लफ्रेंड शालू गुप्ता का किरदार निभाया था। फिल्म में श्वेता की मासूमियत और सहज अदाकारी ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा था। इस किरदार को पसंद किया गया था।

इनाक्षी दास गुप्ता (गॉन केश)

2019 में आई फिल्म 'गॉन केश' में श्वेता त्रिपाठी ने बिना बालों वाली एक लड़की का किरदार निभाया था। फिल्म में श्वेता के किरदार इनाक्षी को एलोपेसिया नाम की बीमारी होती है। जिसके कारण धीरे-धीरे उसके बाल झड़ते जाते हैं और वह टकली हो जाती है। किसी भी अभिनेत्री के लिए ऐसा किरदार करना काफी चुनौतीपूर्ण रहता है। लेकिन श्वेता ने इस किरदार को बड़े ही सलीके से निभाया था। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं कर पाई थी, लेकिन श्वेता के अभिनय की तारीफ की गई थी।

डॉक्टर श्रेया (लाखों में एक)

श्वेता ने कॉमेडी सीरीज लाखों में एक सीजन 2 में डॉक्टर श्रेया का किरदार निभाया है। इस शो को काफी पसंद किया गया था और श्वेता का किरदार भी लोगों ने नोटिस किया था। 2019 में रिलीज हुई ये सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर मौजूद है। डॉक्टर श्रेया के किरदार में श्वेता ने अच्छा अभिनय किया है। ये उनके कुछ प्रमुख किरदारों में शामिल है।

जेनिया खान (क्या मस्त है लाइफ)

श्वेता त्रिपाठी ने अपने करियर की शुरुआत टीवी शो से की थी। 2009 में आए टीवी शो 'क्या मस्त है लाइफ' में श्वेता पहली बार नजर आई थीं। इस सीरीज में वह टॉम ब्वॉय जेनिया खान बनी थीं। इस शो में शहीर शेख, सना अमीन और आशीष जुनेजा ने भी लीड रोल प्ले किया था। शो में श्वेता द्वारा निभाया गया किरदार आज भी लोगों को याद है।

शाहिद कपूर भी होंगे मैदान में

रणवीर और प्रभास की होगी भिड़ंत

इस साल का दिसंबर फिल्मप्रेमियों के लिए बेहद खास होने वाला है। कारण है एक नहीं, दो नहीं बल्कि बॉक्स ऑफिस पर तीन बड़ी फिल्मों का सीधा टकराव। रिपोर्ट्स की मानें तो रणवीर सिंह की मच अवेटेड फिल्म धुरंधर और प्रभास की द राजा साब अब 5 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं और यही नहीं, इन दोनों फिल्मों के साथ विशाल भारद्वाज की अगली फिल्म भी उसी दिन रिलीज हो रही है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर महाभारत होना तय माना जा रहा है।बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट की मानें तो रणवीर सिंह और प्रभास की टक्कर देखने को मिलेगी। रणवीर सिंह के जन्मदिन यानी 6 जुलाई को जहां धुरंधर का टीजर रिलीज किया जाएगा, वहीं ये भी कन्फर्म कर दिया गया है कि फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म का निर्देशन आदित्य धर कर रहे हैं, जो इससे पहले उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक जैसी ब्लॉकबस्टर बना चुके हैं। फिल्म को लेकर बताया जा रहा है कि ये भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के शुरुआती दिनों और एक गुप्त ऑपरेशन से प्रेरित है, जिसमें पाकिस्तान में अबू कताल नाम के आतंकवादी की रहस्यमयी हत्या को दर्शाया जाएगा।

द राजा साब की रिलीज डेट भी 5 दिसंबर

वहीं दूसरी ओर, प्रभास की द राजा साब एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है, जिसमें उन्हें एक अलग अंदाज में देखने को मिलेगा। फिल्म को बड़े पैमाने पर कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि दोनों फिल्मों में संजय दत्त भी महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

विशाल भारद्वाज की फिल्म भी आएगी

तीसरी फिल्म जो इस दिन रिलीज के लिए तैयार हो रही है, वो है विशाल भारद्वाज की अगली फिल्म, जिसमें शाहिद कपूर, त्रिप्ती डिमरी, नाना पाटेकर और रणदीप हुड्डा जैसे मंझे हुए कलाकार नजर आएंगे। इसे साजिद नाडियाडवाला प्रोड्यूस कर रहे हैं। रणवीर की धुरंधर जहां थ्रिल, देशभक्ति और इंटेलिजेंस ऑपरेशन्स से भरपूर है, वहीं द राजा साब में हॉरर और कॉमेडी का अनोखा मेल दिखेगा। तीनों ही फिल्में अपने-अपने जनर में जबरदस्त दावेदार हैं, जिससे यह दिन बॉक्स ऑफिस इतिहास में खास दर्ज होने वाला है।

रीवा कृषि विभाग में घोटाले की बुनियाद – उपसंचालक यू.बी. बागरी पर लगे गंभीर आरोप

• साधना एक्सप्रेस, रीवा

रीवा, मध्य प्रदेशः प्रदेश में किसानों की भलाई के लिए जहां मुख्यमंत्री मोहन सरकार सस्ती दरों पर बीज, उर्वरक और कीटनाशक उपलब्ध कराने की योजनाएं बना रही है, वहीं दूसरी ओर रीवा कृषि विभाग के कुछ अधिकारी इन योजनाओं को पलीता लगाने पर तुले हैं। उपसंचालक यू.बी. बागरी पर आरोप है कि वे अपने तानाशाही रवैये और भ्रष्टाचार की वजह से न केवल किसानों का शोषण कर रहे हैं, बल्कि भारी कमीशनखोरी में भी लिप्त हैं।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, रीवा जिले के सभी ब्लॉकों में किसानों को उर्वरक और कीटनाशक की दो किट जबरन 1430+1430 रुपये में दी जा रही है, जबकि इसकी असली लागत कहीं कम है। किसानों को धमकी दी जा रही है कि यदि वे यह किट नहीं लेते हैं तो उन्हें बीज और अन्य कृषि सामग्री नहीं दी जाएगी। इस जबरदस्ती की नीति ने किसानों को असमंजस और लाचारी में डाल दिया है।

विशेष रूप से सिरमौर ब्लॉक के प्रभारी एसएडीओ बी.पी. सिंह का रवैया भी सवालों के घेरे में है। उन्होंने सभी ग्रामसेवकों को यह निर्देश दिया है कि यदि कोई भी ग्रामसेवक किसानों के साथ सहानुभूति दिखाता है या उन्हें यह किट लिए बिना बीज देने का प्रयास करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश न केवल अधिकारियों की मनमानी को दर्शाता है, बल्कि सरकारी तंत्र के भीतर चल रही अंदरूनी सड़ांध को भी उजागर करता है।

किसानों की माने तो जो कीटनाशक व उर्वरक किट उन्हें दी जा रही है, वह ना केवल अधिक कीमत पर है बल्कि सूत्रों की माने तो जिस सप्लायर से यह मंगाई गई है, उसके पास वैध लाइसेंस तक नहीं है। यह अपने आप में बड़ा घोटाला है। यदि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जाए, तो कृषि विभाग में करोड़ों रुपये का घोटाला सामने आ सकता है।

अब बड़ा सवाल यह उठता है कि यह माल किसने सप्लाई किया, किसके आदेश पर और किसके संरक्षण में किसानों को जबरन ठगा जा रहा है? क्या सरकार की कल्याणकारी योजनाएं ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों के हाथों गिरवी रख दी जाएंगी? यह जरूरी है कि इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच हो और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि किसानों का भरोसा सरकार और कृषि व्यवस्था पर बना रहे।

इटारसी में प्रदेश स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में हिस्सा लेंगे यूपी कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल

• साधना एक्सप्रेस, रीवा

भोपालः चौरिया कुर्मी महासभा और पटेल समाज द्वारा आयोजित प्रदेश स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 13 जुलाई 2025 (रविवार) को नर्मदापुरम जिले के इटारसी में किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण आयोजन में उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और अपना दल (एस) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशीष पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 170 होनहार छात्र-छात्राओं को उनके शैक्षणिक और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाएगा। यह आयोजन साई कृष्णा रिसोर्ट, पेट्रोल पंप के पास (खेड़ा), इटारसी में सुबह 11 बजे से शुरू होगा।

अपना दल (एस) राष्ट्रीय महासचिव एवं मध्य प्रदेश प्रभारी आर बी सिंह ने बताया कि इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशीष पटेल अपना दल (एस) की नीतियों और विचारधारा पर प्रकाश डालेंगे। वे समाज के उत्थान और शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए आम जनमानस से अपना दल (एस) से जुड़ने का आह्वान करेंगे। यह समारोह न केवल प्रतिभाओं को सम्मानित करने का मंच होगा, बल्कि सामाजिक एकता और राजनीतिक जागरूकता को बढ़ावा देने का भी एक महत्वपूर्ण अवसर होगा।

कार्यक्रम में चौरिया कुर्मी महासभा के अध्यक्ष नवीन पटेल, राष्ट्रीय महासचिव युवा मंच डॉ अखिलेश पटेल, राजनीतिक रणनीतिकार डॉ अतुल मलिकराम समेत देवेंद्र प्रताप सिंह, मान सिंह पटेल, अर्जुन सिंह पटेल, धीरेन्द्र सिंह बघेल, राजेस्वर मिश्रा, मोहित गुप्ता, मुकेश मराठा, यश कुमार, वंदना नामदेव, राजेंद्र पटेल, सुरेंद्र नाहर, हरीश तलरेजा, एस आर नागले, कैलाश गावंडे, त्रिलोकी सिंह, राजेश पल, धनीराम केवट, मनीष सिरवैया, हरदास कुशवाहा, राहुल सिंह भदौरिया, बबलू यादव, टीकमचंद्र शर्मा, एन एस धाकड़ जैसे पार्टी के वरिष्ठ व प्रमुख नेता आशीष पटेल के स्वागत के लिए उपस्थित रहेंगे। वहीं प्रदेशभर से अपना दल (एस) के कार्यकर्ताओं के भी इस कार्यक्रम में पहुँचने की उम्मीद की जा रही है।

खेत तालाब में भरा पानी - धनराज करेंगे मछली पालन

• साधना एक्सप्रेस, रीवा

रीवा | जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रीवा जिले में बड़ी संख्या में जल संरचनाओं का निर्माण किया गया। जनपद पंचायत रीवा की ग्राम पंचायत धौचट में किसान धनराज सिंह ने खेत तालाब का निर्माण कराया।

इसकी क्षमता एक हजार घन मीटर है। जून और जुलाई माह में हुई अच्छी वर्षा से तालाब पूरी तरह से भर गया है। खेत तालाब के निर्माण के साथ ही किसान धनराज सिंह ने मछलीपालन की योजना बना ली थी। उन्होंने मछलीपालन विभाग से संपर्क करके खेत तालाब में मछली के बीज डालने की तैयारी कर ली है। उन्होंने बताया कि खेत तालाब में 6 से 8 माह में तैयार हो जाने वाली मछली के बीज डाले जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान में खेत तालाब के निर्माण से मछली पालन के रूप में मुझे अतिरिक्त आय का अवसर मिला है। तालाब में पानी की पर्याप्त उपलब्धता है। तालाब के किनारे पपीते और गेंदे के फूल रोपे गए हैं। इनसे भी अतिरिक्त आय प्राप्त हो जाएगी। खेत तालाब मेरे लिए आर्थिक विकास का अवसर बन गया है।

कलेक्टर ने नवनिर्मित हुजूर तहसील कार्यालय भवन का किया निरीक्षण तहसील भवन के लोकार्पण की 20 जुलाई तक तैयारी पूरी करें - कलेक्टर

• साधना एक्सप्रेस, रीवा

रीवा | कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कालेज चौराहे के समीप बनाए गए हुजूर तहसील के नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का इसी माह रीवा का दौरा प्रस्तावित है।

प्रस्तावित दौरे में मुख्यमंत्री जी नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करेंगे। भवन के लोकार्पण की सभी तैयारियाँ 20 जुलाई तक पूरी कर लें। भवन की साफ-सफाई, परिसर में पेवर लगाने, पार्किंग एरिया के विकास तथा भवन के पीछे रिक्त भूमि पर वृक्षारोपण की तैयारी कर लें।

कार्यालय के सभी कक्ष व्यवस्थित कराकर फर्नीचर लगा दें। भवन के प्रवेश द्वार में राजस्व विभाग की प्रमुख योजनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदर्शित कराएं। कार्यालय के लिए आवश्यक फर्नीचर की तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित करें। नए भवन में उपलब्ध स्थान का समुचित उपयोग करते हुए तहसील कार्यालय को व्यवस्थित रूप से स्थापित करें।

अधिकारियों और कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था के साथ-साथ आमजन के लिए उपलब्ध सुविधाओं और अभिलेखों को व्यवस्थित रखने के लिए भी समुचित प्रबंध करें।

निरीक्षण के समय एसडीएम हुजूर वैशाली जैन, तहसीलदार शिवशंकर शुक्ला, कार्यपालन यंत्री पीआईयू तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

छः माह से डीजे प्लाजा का काम है बंद, भटक रहे व्यापारी

» डीजे प्लाजा मनमानी से व्यापारियों को लग रही चपत

» झूंठा सपना दिखाकर कई करोड़ की हुई वसूली

• साधना एक्सप्रेस, सीधी

सीधी। शहर के डीजे प्लाजा में दुकान आवंटन के नाम पर झूंठा सपना दिखाकर पैसा ऐंठने का काम तो किया गया लेकिन हालात यह है कि छः माह से काम बंद कर दिया गया है। यहां तक कि जिन व्यापारियों द्वारा दुकान खरीदी के लिए पैसा दिया गया था उन्हें भी अब अपनी पूंजी फंसती नजर आ रही है। कुछ व्यापारियों द्वारा दुकान के लिए दिया गया पैसा वापस मांगना शुरू कर दिया गया हैं।

मालूम हो कि शहर के सम्राट चौक स्थित भव्य डीजे प्लाजा बनाने का सपना दिखाने के नाम पर काम तो शुरू किया गया लेकिन स्थिति यह रही कि काम पूरी तरह से ठप्प पड़ा हुआ है। जिस वजह से व्यापारी भी अब यह सोंचने के लिए मजबूर हैं कि हमारी पूंजी भी डूब जाएगी। उनकी जमा राशि का ब्याज कौन देगा। कब तक यह प्लाजा बनकर तैयार होगा। इस मामले में जिम्मेदार अधिकारी तो चुप्पी साधे ही हैं साथ ही व्यापारियों के साथ छलावा करने का काम करने वाले संविदाकारों द्वारा भी चुप्पी साध ली गई है। एक निश्चित समय सीमा बीतने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी कोई पहल नहीं कर रहे हैं जिस वजह से मनमानी का आलम बना हुआ है।

चार वर्ष बाद भी नहीं बन पाया कलेक्ट्रेट भवन

मिनी स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत कलेक्ट्रेट भवन का काम चार वर्ष पहले शुरू हुआ था लेकिन आज तक नहीं बन पाया है। भवन का ढांचा तो तैयार हुआ लेकिन आधा से अधिक काम अधूरा पड़ा हुआ है। जब कलेक्ट्रेट जैसा भवन बनाने में इतना समय लगा दिए तो डीजे प्लाजा का काम कब पूरा हो पाएगा यह विचारणीय प्रश्न है। यहीं वजह है कि अब व्यापारी भी वहां से कन्नी काटना शुरू कर दिए है। जिन्होने राशि दिए हैं वह राशि वापस मांगना शुरू कर दिए हैं। कलेक्ट्रेट भवन न बनने को लेकर भी काफी शिकायतें हैं लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है।

सत्ता का सहारा ले रहे संविदाकार

निर्धारित समय सीमा के भीतर डीजे प्लाजा का निर्माण न कर पाने के बाद अब संविदाकारों द्वारा सत्ता का सहयोग लिया जा रहा है। और तो और ठेकेदार स्वयं सत्ताधारी दल के सदस्य बने हैं जिनके द्वारा सरकार पर दबाव बना कर कार्यवाही को रोका जा रहा है।

यही वजह है कि विभागीय जिम्मेदार अधिकारी नोटिस देने की बात दूर निरीक्षण कर कार्यवाही भी कर सकते थे लेकिन कोई पहल अधिकारी नहीं कर रहे हैं।

कमिश्नर और आईजी ने पुलिस लाइन में किया पौधारोपण नगर निगम ने पुलिस लाइन में रोपे 5 हजार पौधे पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य रक्षा के लिए हरियाली आवश्यक - कमिश्नर

• साधना एक्सप्रेस, रीवा

रीवा | जिले भर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया जा रहा है। अभियान के तहत नगर निगम द्वारा पुलिस लाइन में वृहद वृक्षारोपण किया गया। अभियान का शुभारंभ करते हुए कमिश्नर बीएस जामोद तथा आईजी गौरव राजपूत ने पौधे रोपित किए। नगर निगम तथा पुलिस विभाग ने संयुक्त रूप से पुलिस लाइन और पुलिस परेड ग्राउंड में 5 हजार पौधे रोपित किए। इस अवसर पर डीआईजी राजेश सिंह, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, पुलिस विभाग की टीम तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी पौधे रोपित किए। इस अवसर पर कमिश्नर श्री जामोद ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और हम सबके स्वास्थ्य की रक्षा के लिए हरियाली आवश्यक है। पेड़-पौधों से हमें जीवनदायिनी वायु मिलती है। मानव का जीवन भी पेड़-पौधों पर ही निर्भर है। हम लगातार वृक्षारोपण करके धरती माता को हरा-भरा बनाने का प्रयास करें। हरा-भरा वातावरण सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ हमारे भावी पीढ़ी के जीवन की सुरक्षा भी करेगा। नगर निगम ने सराहनीय प्रयास करके एक ही दिन में पाँच हजार पौधे रोपित किए हैं। सामाजिक संगठनों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं को भी एक पेड़ माँ के नाम अभियान में शामिल करें। सबके सहयोग से ही शहर को हरा-भरा बनाने का प्रयास सफल होगा।

इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक श्री राजपूत ने कहा कि वृक्षारोपण को त्यौहार की तरह मनाना चाहिए। हरियाली महोत्सव पर्यावरण की सुरक्षा और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है।

हर व्यक्ति कम से कम दो पौधे रोपित करके इसमें अपना योगदान दे। रोपित पौधों की सुरक्षा का भी पूरा प्रबंध करें। एक पेड़ माँ के नाम अभियान हमें पूर्वजों को याद करके वृक्षारोपण के माध्यम से उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाने का संदेश देता है। इस अवसर पर आयुक्त नगर निगम डॉ सोनवड़े ने कहा कि पूरे शहर में कार्ययोजना बनाकर पौधे रोपित किए जा रहे हैं। पौधों को विशेष तकनीक से अलग-अलग प्रजातियों में क्रमबद्ध रूप से लगाया जा रहा है , जिससे उनमें वृद्धि दर तेज रहे। रोपित पौधों की सुरक्षा के भी पूरे प्रबंध किए गए हैं। सबके सहयोग से शहर को हरा-भरा और स्वच्छ बनाएंगे।

बाजार में बेंचे जा रहे सड़े फल व दूषित खाद्य सामग्री, खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की अनदेखी

• साधना एक्सप्रेस, सीधी

सीधी | शहर में बेरोंकटोक सड़े फल व दूषित खाद्य सामग्री बेंची जा रही है। कारोबारी अच्छी सामग्री के बीच में सड़े-गले फलों को मिक्स करके रखते हैं और ग्राहकों की नजर बचाकर पैक कर देते हैं। नगर पालिका और खाद्य सुरक्षा विभाग की अनदेखी के चलते बाजार में सड़े फल और दूषित खाद्य सामग्री धड़ल्ले से बेंची जा रही है। जिससे लोग बीमारियों की चपेट में आ रही है। इस साल प्रशासन द्वारा इन पर अंकुश लगाने के लिए कोई मुहिम शुरू नही की गई है। जिससे नपा और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की अनदेखी शहर के नागरिकों पर भारी पड़ रही है। मालुम हो कि गत वर्ष नगर पालिका की स्वास्थ्य शाखा, खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए मुहिम चलाकर दूषित फलों को फिकवाने और कार्रवाई करने के साथ ही होटल, रेस्टोंरेंट और नास्ता आदि की ठेलो पर बिकने वाली खाद्य सामग्री की जांच की जाती थी और सेंपल भी लिए जाते थे वही ज्यादा लापरवाही पाये जाने पर कार्रवाई भी की जाती थी। लेकिन इस बार ऐसा कुछ देखने में नही आ रहा है। चाय-नास्ता की दुकानों और हांथ ठेला आदि का समोसा, कचौड़ी, पोहा-जलेबी, पूड़ी, चाट आदि खाद्य सामग्री बगैर ढंके ही धड़ल्ले से बेंची जा रही है। जिससे इन पर मख्खी-मच्छर भिनभिनाते रहते है। वहीं सडक़ से उडने वाली धूल इन पर लगती है। जिससे यह खाद्य सामग्री दूषित हो जाती है। और इन्हे खाने से विभिन्न प्रकार की बीमारियों की चपेट में नागरिक आते है। नास्ता आदि बनाने वाले ज्यादातर दुकानदार जिस कढ़ाई में समोसे-कचौड़ी बनाते है उस कढ़ाई का तेल महीनो नही बदला जाता और न ही उन्हे साफ किया जाता है। थोड़ा कम तेल होने पर और तेल उसी कढ़ाई में डाल दिया जाता है। इस प्रकार कढ़ाई का तेल महीनो चल जाता है।

शहर में खाद्य सामग्री बनाते समय कई जगह साफ-सफाई व स्वच्छता का ध्यान नही रखा जाता है। लिहाजा तैयार की गई खाद्य सामग्री प्रदूषित हो जाती हैं। प्रदूषित खाद्य सामग्रियों का सेवन करने से लोग पेट की बीमारी से ग्रसित होकर दवाई कराने के लिए मजबूर हो जाते हैं।

निर्माण कार्यों को तय समय सीमा पर पूरा करें - कमिश्नर कमिश्नर श्री जामोद ने नगर निगम के निर्माण कार्यों का लिया जायजा

• साधना एक्सप्रेस, रीवा

रीवा | रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने नगर निगम क्षेत्र में अमृत योजना के तहत कराए जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का जायजा लिया। कमिश्नर ने कुठुलिया में बनाए जा रहे इंटेकवेल तथा जल शोधन संयंत्र, पंप हाउस तथा अन्य निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर कमिश्नर ने कहा कि रीवा शहर का तेजी से विस्तार हो रहा है। आमजनों की पेयजल व्यवस्था का भी उसी तेजी से विस्तार आवश्यक है। अमृत-2 योजना के निर्माण कार्य तय समय सीमा में पूरे कराएं जिससे आमजनता को स्वच्छ पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता हो सके। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। निर्माण कार्यों के प्रभारी कार्यों के प्रगति की हर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। पेयजल व्यवस्था से जुड़े निर्माण कार्य 30 नवम्बर तक हरहाल में पूरे कराएं।

इसके बाद कमिश्नर श्री जामोद ने 31 एमएलडी क्षमता वाले पुराने जल शोधन संयंत्र का निरीक्षण किया। कमिश्नर ने पानी को शुद्ध करने तथा आमजनता तक पहुंचाने की प्रणाली की जानकारी ली। इसके बाद कमिश्नर ने वार्ड नम्बर 25 में बनाए गए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इसका निर्माण कार्य 31 जुलाई तक पूरा करके सीवरेज लाइन से घरों के कनेक्शन जोड़ें। इसके बाद कमिश्नर ने समान तिराहा के पास चल रहे सीवरेज लाइन के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि बारिश में सीवरेज लाइन का निर्माण सावधानी से करें। आमजनता के आवागमन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य करें। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद सड़क सुधार का कार्य तत्काल कराएं। निरीक्षण के समय आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, कार्यपालन यंत्री राजेश सिंह, कार्यपालन यंत्री एचके त्रिपाठी, सहाय यंत्री एसएन द्विवेदी, सहायक यंत्री राजेश मिश्रा तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित ।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490 मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा ।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698